



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 17, 1973 (कार्तिक 26, 1895)

No. 46]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 17, 1973 (KARTIKA 26, 1895)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

(PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महासेक्षापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसाम और अधीन  
कार्यालयों द्वारा जारी की नई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

## संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 अक्टूबर 1973

सं. पा० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वग्रंथ के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी सुश्री एस० टी० केसवानी को, राष्ट्रपति द्वारा 3-9-73 से 1-12-73 तक 90 दिन की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार सभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 27 अक्टूबर 1973

सं. पा० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के मर्यादा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पी० सतकर्तारिया को, राष्ट्रपति द्वारा 5-9-73 से 4-12-73 तक 3 मास की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार सभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

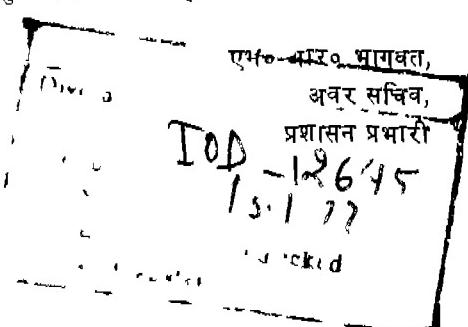
नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 अक्टूबर 1973

सं. ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वग्रंथ के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पी० सतकर्तारिया को, राष्ट्रपति द्वारा 18-8-73 से 3-10-73 तक 47 दिन की अवधि के लिए अथवा नियमित अधिकारी के कार्यभार सभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

सं.ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा सर्वग्रंथ के चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री एन० बी० माथूर ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं.पा० 32013/1/73-प्रशा०-I, दिनांक 17-8-73 द्वारा के० सं.से० के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 7 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2 अपने प्रस्तावन के बाद श्री एन० बी० माथूर ने 7 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निजी सचिव (के० सं.से० के चयन ग्रेड) के पद का कार्यभार सभाल लिया।

(5885)



सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री ए० एन० काचरू ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I, दिनांक 26 जुलाई, 1973 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 8 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री काचरू ने 8 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री बी० के० लाल ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I, दिनांक 27 जन, 1973 द्वारा उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 17 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी० के० लाल ने 17 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 30 अक्टूबर 1973

सं० पी० /1644-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर उनके कार्यकाल पूर्ण होने पर भारतीय प्रशासन सेवा की अधिकारी श्रीमती एनी प्रसाद को, 3 अक्टूबर, 1973 से 9 नवम्बर, 1973 तक 38<sup>वाँ</sup> का अर्जित अवकाश 10 और 11 नवम्बर, 1973 को क्रमशः द्वितीय शनिवार और रविवार होने के कारण उनके अवकाश के अंत में जोड़ने की अनुमति सहित प्रदान किया गया है। अपने अवकाश की समाप्ति पर श्रीमती प्रसाद गुजरात राज्य सरकार को वापस चली जायेंगी।

दिनांक 31 अक्टूबर, 1973

सं० पी० /1226-प्रशा०-II—केन्द्रीय विधि विकास विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली में सहायक निर्देशक (लाइ डिटैक्टर) के पद का नियुक्ति प्रस्ताव स्वीकार कर लेने के परिणाम स्वरूप आयोग के कार्यालय में स्थायी कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ० एवं सां०) डा० ए० के० गांगुली ने उपर्युक्त पद संभालने के लिए 31 अक्टूबर, 1973 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एम० आर० भागवत,  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 23 अक्टूबर 1973

सं० ए० 12022/5/73-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग ने श्री ए० सी० बन्धोपाध्याय, आई० ए० एस० को 18 अक्टूबर,

1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक आयोग के सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1973

सं० ए० 32013/1/73-प्रशा०-I—भारतीय लेखा और लेखा परीक्षा सेवा के अधिकारी श्री के० बी० रामकृष्णन ज्ञे, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक 'अधिसूचना' दिनांक 31-8-1973 द्वारा 1-7-1973 से संघ लोक सेवा आयोग में परीक्षा नियन्त्रक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 8 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से उप सचिव के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

2. श्री के० बी० रामकृष्णन ने 18 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव पद का कार्यभार पुनः संभाल लिया है।

सं० ए० 12022/3/73-प्रशा०-I—श्री ए० सी० बन्धोपाध्याय, आई० ए० एस० के सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार संभालने के परिणाम स्वरूप केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी तथा स्थानापन्न परीक्षा नियन्त्रक श्री डी० आर० कोहली को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 25-7-1973 द्वारा आयोग के सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से काय करने के लिए नियुक्त किया गया था, 18 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न से परीक्षा नियन्त्रक के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

2. श्री कोहली ने 18 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न से परीक्षा नियन्त्रक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एम० आर० भागवत,  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग

### मंत्रिमण्डल सचिवालय

(कार्यक्रम तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो  
नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1973

सं० पी० एफ०/के०-86/6/7-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा श्री कल्पना लाल चड्ढा, लोक अभियोजक, अम्बाला शाखा, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 19 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अस्थायी रूप से वरिष्ठ लोक अभियोजक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० पी० एफ०/एस०-124/66-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री सत प्रकाश, लोक अभियोजक, सी० आई० ए०-१, नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को 23 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अस्थायी रूप से वरिष्ठ लोक अभियोजक के पद पर प्रदोलन करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

प्रूफ आई० टी० एन० एग० —  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II कलकत्ता  
का कार्यालय  
कलकत्ता दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए०सी०-६७/आर०-II/कैल/७३-७४—यतः, मुझे  
एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी संख्या 57 है, जो सरदार शंकर रोड थाना टोलीगंज  
बाजार में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय डिरिक्टर रजिस्ट्रार  
24 परगना अलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 14-5-73  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ यांत्रिक या अन्तरण  
के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) (i) श्री अमीन कुमार विश्वास  
(ii) श्रीमति सुमित्रा घोष  
(iii) श्रीमती शान्ता मित्र  
(iv) श्रीमती भरना बोस  
(v) श्रीमती कुला विश्वास (अन्तरक)

- (2) श्रीमती अंजली मित्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-  
द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

नं० 57 सरदार शंकर रोड थाना टोलीगंज, जिला 24 परगना  
(सी० आई० टी० स्कीम नं० 33 का प्लाट नं० 74) में 4 कट्टा  
4 छटांक 2 वर्ग फीट जमीन।

एम० एन० तिवारी,  
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 8-11-73 सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

मोहर : अर्जन रेंज II पी-13, चौरंगी स्क्वायर  
कलकत्ता

प्रस्तुप, आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 7 नवम्बर 1973

निर्देश सं० ए०सी०-६६/आर०-II/कैल/७३-७४--  
यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/52 है, जो गरियाहाट रोड कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार 24 परगना। अलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-प्र के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती गीता चटर्जी (अन्तरिती)

(2) श्रीमती मणिका रानी दास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उमकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

नं० 1/52 गरियाहाट रोड थाना, टाली गंज जिला 24 परगना में 5 कट्टा 2 छटांक 41 वर्ग कोट जमीन।

एम० एन० तिवारी,  
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख 7-11-73

मोहर:

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,

अर्जन रेज-II पी०-13, चौरंगी

स्थावर कलकत्ता,

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

हैदराबाद दिनांक 6 नवम्बर 1973

निवेश सं० आर० ए० सी० 99/73-74—यतः, मुझे एस० बाल सुब्रमण्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 25000 रु० में अधिक है और जिसकी सं० 19/3692 और 370 चैना बाजार है, जो नेल्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 1) के अधीन, 5-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान गफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है र यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, उन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्कों की करने या उससे बचने के लिए दुरुपाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के में 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अवधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) गीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पश्नाभुनी श्री रामलू पुत्र बेंकट रत्नम चायना बाजार, नेल्लूर  
(अन्तरक)

(2) श्री आन्माकर नारायना पुत्र सुब्रह्मण्या, चायना बाजार, नेल्लूर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि ए हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

**सम्पत्ति** :—सं० नं० 19/369 तथा 370 (केवल एक ही मकान जिसे अलग दो नम्बर है) चायना बाजार, नेल्लूर।

एस० बाल सुब्रमण्यम,  
सक्रम प्राधिकारी

तारीख : 6-11-73 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
मोहर : अर्जन रेज, हैदराबाद

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 6 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 94/73-74—यतः  
मुझे एस० बालसुब्रमण्यम, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
और जिसी सं० 2-3-93 है, जो राम गोपाल गेट में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कायलिय, सिकन्दराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 13-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेय के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोगजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने के  
लिए सुकर बनाना :—

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में मैं आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मिन हिरजी खुरशीद पुत्र कामसोज खुरशी  
मुख्तारनामादार श्रीमती सूना एन० चेनाई पत्नी एन० एस०  
चेनाई, 143/1, मासिरटिर रोड, सिकन्दराबाद । (अन्तरक)

(2) श्रीमती आशादेवी पत्नी भगवान दास 2-3-93,  
राम गोपाल पेट, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचिना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तभी,  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-व में यथापरिभासित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

**सम्पत्ति :—**प्लाट नं० 137, जिसका क्षेत्रफल 1205,  
वर्गगज, मुनिसिपल नं० 137/वी पैण्डर घास्ट रोड, सिकन्दराबाद ।

एस० बालसुब्रमण्यम, सक्षम प्राधिकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरी०)  
अंजन रेज हैदराबाद

तारीख: 6-11-73

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 93/73-74—यतः  
मुझे, एस० वाल सुन्नमण्यम्, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम  
प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या 176-ए, बी, सी, 177-ए रायल चेरू है, जो  
रायल चेरू में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, यहकी  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 7-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना, ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं ।

ग्रन्तः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री बुररा राजा कुलचाई स्वामी,  
(2) श्री बी० राजा चिन्ना कुलचाई स्वामी,  
(3) श्री बी० विजिया राजा कुलचाई स्वामी  
(सभी अवस्थक हैं जिनके पालककर्ता पिता  
श्री बी० कुलचाई स्वामी पुत्र द्वासेनपा याणीवी  
अनंतापुर जिला (अन्तरकः)

(2) (1) श्रीमती वालुकुरु लक्ष्ममा पत्नी नील कण्ठस्या,  
तथा पुत्रों  
(2) } रामाजनेश्वर अवस्थक जिनके पालककर्ता  
(3) } रामचिष्ठु माना, रायल चेरू, नाड  
(4) } सूर्य नारायण पत्नी तालूकों अनंतापुर  
जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आय-  
कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

**सम्पत्ति :—**सर्वे नं० 176-ए, बी सी, 177 ए, बी, सी, डी,  
ई, एक, 12-06 एकड़, 193, 185, 187-बी, 115, जो 2.यल चेरू  
नाडपत्री तालूका, अनंतापुर जिला में स्थित हैं ।

एस० वाल सुन्नमण्यम्,  
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 6-11-73      सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
तेहर :                    अर्जन रेंज हैदराबाद

प्रस्तुत आईटी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० १२/७३-७४—यतः  
मुझे एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 2-2-181, 1'82/1, पान बाजार है जो  
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 14-5-1973  
की पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकूर्ट विसेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और ज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्वय प्रतिशत अधिक है और यह कि  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये  
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री मोलुंग राजव्या
- (2) एम० जगदीश्वरव्या,

(3) एम० नरसिंहाराव,

7-1-72, पुराना जेलखाना, सिकन्दराबाद।—

(अन्तरक)

2. श्री अड्डी मोलम् बालक्रिष्णा,

62, राम गोपाल पेट, किसन्दराबाद। (अन्तरिती)

3. (1) मेसर्स तुलसीदास नरोत्तम एण्ड कम्पनी,

(2) गुण्डा राजेश्वर राव एण्ड सन्स,

(3) एम० गोरी शंकर नरेण कुमार।

सभी 2-2-181 में रहते हैं। जो फस्ट पान बाजार  
स्पान्डरस रोड, सिकन्दराबाद में हैं।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में, से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य, व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
द्वारा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति.—म० न० 1834 का भाग (पुराना न० 1802  
तथा 1856) प्रचलित न० 2-2-181, 2-2-182, तथा 2-2-182/1  
फस्ट पान बाजार, सोण्डरस रोड, सिकन्दराबाद।

एस० बाल सुब्रमण्यम्,

सक्षम प्राधिकारी

महापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 6-11-73

अर्जन रेंज, हैदराबाद

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ······  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेज, हैदराबाद  
 हैदराबाद, दिनांक 6 नवम्बर, 1973

स० आर० ए० सी० 97/73-74—यत मुझे, एस० बाल सुभ्रमण्यम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० 414/1, तथा 85, गांधी नगर है, जो तिहापति में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिहापति में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपलब्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षितों, अर्थात्:—

1 श्री बडला कोषणाचारी एस० एस० बी-11

तिरुमला, तिरुपती।

(अन्तरक)

2. श्री करनाम पार्थसारथी पिल्ले,

सरस्वती स्ट्रीट, गुडीवाडा, क्रिश्ना जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

**सम्पत्ति :**—टी० एस० नं० 414/1, दरवाजा, नं० 85, बाई० 18, गांधी नगर, तिरुपती, चित्तूर जिला।

एस० बाल सुभ्रमण्यम,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 6-11-73

अर्जन रेज, हैदराबाद

मोहर

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ब- (1) के अधीन सचना।

**भारत सरकार**  
**कार्यालय सहायक आयकर ओयुक्ट (निरीक्षण)**  
**अर्जन रेंज डैटराबाह**

हैदराबाद, दिनांक 6 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 100/73-74—यतः, मुझे,  
एस० बाल सुन्नमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधि-  
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 19/369, 370 चिन्ना बाजार है, जो  
नेल्लूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 3-5-1973 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-  
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सकार बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना:

और यह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के पाद्वों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-शाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री पश्चानामूनी वेंकटरत्नम् पुस्तकालय सेट्टी  
 (2) श्रीमती पदमावतिमा पत्नी श्री पश्चानामूनी  
 वेंकटरत्नम्, चिन्ना बाजार, नेल्लूर।

(अन्तरक)

2. श्री आत्माकर, नारायण पुत्र श्री मुख्य  
चिन्ना बाजार, नेल्लूर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया घरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आवेदन; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हैं, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सन्दर्भाई के समय सने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

सम्पत्ति :—म० न० 19/369 तथा 370, केवल एक ही मकान है जिसे दो अलग नम्बर है जो चिन्ना बाजार, नेल्लूर में है।

एस० बाल मुख्यमं  
सभम प्राधिकारी

## सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1973

सं० जे० नं० 1(215)/73-74—यतः मुझे के० सुन्भाराव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन समक्ष प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 15-5-3 है, जो संलेख्वरसेनड रोड, महारानी-पेटा, विशाखापत्तनम्, में स्थित है, (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापत्तनम् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1973 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरित अन्तरितीयों के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :—

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री वाई० हन्द्रनारायण, 31-अपर समीकोई, स्ट्रीट, मयलामुर मत्रास-4। (अन्तरक)
2. श्री गन्ना श्रीमानारायाना, मेसर्स इयूलर इंजीनियर्स पद्मनिकास विलिंग्स, किंग जार्ज अस्प्टाल के सामने, विशाखापत्तनम् II (अन्तरिती)

3. डॉ० अपारि, सहायक जिला मैनेजर, (ओ०पी० एस०) इंडियन आयल कारपोरेशन 15-5-3, दलेश्वरसेन रोड, महारानीपेटा, विशाखापत्तनम् -2 (जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 35 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 15-5-3, सलेश्वरसेन रोड, महारानीपेटा, विशाखापत्तनम्, वार्ड नं० 16, ब्लाक नं० 4, टी० एस० नं० 125, ए०एस० टी० नं० 1766 है।

इसके एक तरफ रिकीरोशन क्लब है। तथा इसके पीछे मुपपीड़ी हाउस है।

के० सुन्भाराव  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
तारीख : 6-11-73 अर्जन रेंज, मद्रास  
मोहर :

## प्रस्तुत आई० टी० एम० सूचना —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 नवम्बर, 1973

निदेश सं० सि० आर० 62/1705/73-74-ए० सो० क्य० (बी०)  
यह, मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० 125, 126, 127, 128 और 129 है, जो  
अवेन्यू रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुदूषी में  
और पूर्ण रूप से दौगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गाँधीनगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1973 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पासा या ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित  
में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थात् के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा की उपलास (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) बी० मुख्याराम सेठी
- (2) बी० एस० शान्ताराम
- (3) बी० एस० अशोक

(4) बी० एस० सन्जय, (अवयस्क)

नं० 5, वानी विलास रोड, बंगलूरु  
बंगलूर-4

(अन्तरक)

2. (1) एम० आर० समपन्नीराम सेठी

(2) एम० आदिनारायण आर०

(3) के० ए० सत्यनारायण सेठी

भारीदार विनायक एन्टरप्रैसेस, नं० 121-122,  
अवेन्यू रोड, बंगलूरु।

(अन्तरिती)

3. (1) एल० श्याम सुन्दर

(2) जी० रामचन्द्र

(3) श्रीचन्द्र

(4) गोवर्धनदास, रघुचन्द्र और

(5) मैसर्स कृष्ण एण्ड कम्पनी

(वह व्यक्ति, जिसके अधीभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-  
धारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, भी सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।स्थावर सम्पत्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 125, 126, 127, 128 और 129  
जो अवेन्यू रोड, बंगलूरु में स्थित हैं।

बी० माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 9-11-1973

अर्जन रेज, बंगलूरु

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 नवम्बर, 1973

निवेश सं० 34-एम० अर्जन—यत्, मुझे एस० सी० बहल निरीक्षण सहायक अधिकर आयुक्त अर्जन रेज, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० है जो ग्राम बरी, नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में भारतीय भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मकबुल अहमद

(अन्तरक)

2. श्री मनसूर अहमद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रशुक्त शब्दों और यदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

कृषिक भूमि 65 बीघा 10 विस्ता जोकि ग्राम बारी जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 6-11-73

अर्जन रेज, लखनऊ

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 नवम्बर, 1973

निदेश मं० 33-एम० अर्जन—यतः, मुझे, एस० सी० बहल  
 निरीक्षण, सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज, लखनऊ,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 138 है, जो ग्राम बारी, नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हल्दयानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे छचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मकबूल अहमद

(अन्तरक)

2. श्री मरगूब अहमद मसूर अहमद विलायत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानिकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

कृषिक भूमि 6691 बीघा जो ग्राम बारी जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 6-11-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये ।)

प्र० रुप आई टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज लखनऊ  
का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० 35 एम० अर्जन—यतः मुझे, एस० सी० बहल निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9/बी है जो ग्राम खनक पुरी नैनीताल में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगीर सिंह श्रीमति सर्वजति कौर (अन्तरक)

2. श्री मेवा सिंह मंगल सिंह (अन्तरिकर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियंत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना की गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्थानकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला कृषिक भूमि जो 48 बीघा ती बिसवा और एक किला सकान जो 12×20 का है ग्राम खनक पुरी नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल  
सभम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 6-11-1973

अर्जन रेंज, लखनऊ

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज लखनऊ  
का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० 16-ए० अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल निरी-  
क्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज लखनऊ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है और जिसकी सं० 83/1-73/3-104 है जो नैनीताल में स्थित है। (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्दवानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी शकर (अन्तरक)।

2. अभिमास प्रसाद पुत्र (अन्तरिक्ति)।

फो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि जो 79 विवा 13 विश्वा है और जो जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
तारीख : 6 नवम्बर 1973।  
अर्जन रेंज, लखनऊ  
मोहर :

प्र० र० आ० इ० टी० ए० न० ए० स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ  
का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० 37 आर० अर्जन—यतः मुझे एस० सी० वहल निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज लखनऊ आयकर अधिनियम 961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 117 है जो नैनीताल में स्थित है। (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीफर्टी अधिकारी के कार्यालय हल्दवानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमान अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हृषि से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
3—326GL/73

की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी संकर (अन्तरक)

2. श्रीमति राधिका देवी (अन्तरिक्ता)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो 69 विघा है और जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० वहल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
तारीख : 6-11-1973। अर्जन रेंज लखनऊ,  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ  
का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 2 नवम्बर 1973

निर्वेश सं० 38-आर०/अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहूल  
निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 6 और 11 है, जो सोभानपुर में स्थित है और  
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बदायूं में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 29-5-1973  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
मत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण  
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अवोन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री अमृदान सिंह (अन्तरक)।

2. श्री रामस्वरूप अदिव (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एस० सौचारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के आधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषित भूमि जिसका रकमा 18 बिघा चार बिस्ता है और वह साभानपुर में स्थित है।

एस० सी० बहूल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ  
तारीख 1 नवम्बर 1973।  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)-

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० 29 वी० अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विषयावाच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 257-258-261-270-273 है जो नैनीताल में स्थित है। (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्दवानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मर्ही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बलबन्दर सिंह (अन्तरक)

2. बलकार सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वाधीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता खेतिहर भूमि जो 42 बीघा 15 विस्वा है जो जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 6-11-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज

लखनऊ का कार्यालय

दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० 31 एम० अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- से अधिक है और जिसकी संख्या 258 है जो ग्राम विगवाड़ा नैनीताल में स्थित है। (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्टर विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्णात:—

1. श्री बलवेन्द्र सिंह (अन्तरक)

2. महेन्द्र सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वदीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता कृषिक भूमि जो 40 बीघा है और जो ग्राम विगवाड़ा जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख : 6-11-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 नवम्बर, 1973

निदेश सं० 32-एम० अर्जन—यतः, मुझे, एस० सी० बहल  
निरीक्षण, सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, लखनऊ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 326/3 है, जो ग्राम हल्दी नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हल्दिवानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तारा सिंह

(अन्तरक)

2. श्री मिलकियत सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषिक भूमि 24 बीघा जो ग्राम हल्दी जिला नैनीताल में स्थित है ।

एस० सी० बहल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-11-73

मोहर :

(जो खागू न हो उसे काट दीजिये । )

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 7 नवम्बर 1973

निवेश सं० 15 के० अर्जन— प्रतः मुझे एस० सी० वहल  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,  
लखनऊ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
संख्या 326/3 है जो ग्राम हल्दी नैनीताल में स्थित है।  
(और जिससे उपचार अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय हस्तानी में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-1973  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल मिन्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हृदृष्टि किसी आय की आवत्त आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यित था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

प्रतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री तारा सिंह (अन्तरक)

2. श्री कुलवन्त सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यालयी शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 40 बीघा 16 बिस्ता जो कि ग्राम हल्दी जला  
नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० वहल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-11-1973

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 6 नवम्बर 1973

निवेश स० 15 पी० अर्जन --यतः मुझे एस० सी० बहल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक  
है और सिक्की सख्ता 258 है जो नैनीताल में स्थित है।  
(और इससे उपबद्ध अनुसूची के और पूर्णलूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हलदानी में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 के अधीन  
18-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बलवन्दर सिंह (अन्तरक)

2. श्रीमती परमनीत कौर (अन्तरिक्षित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि करें हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीहर भूमि जो 22 वीषा है, जिसा नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 6-11-1973

मोहर:

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिए)

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

विनांक 7 नवम्बर 1973

निवेश स० 16 जी० अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिस की संख्या 326/3 है जो ग्राम हल्दीनीताल में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची के और पूरणरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हन्दवानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 के अधीन 25-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री तारा सिंह (अन्तरक)

2. गुरवचन सिंह (अन्तरिक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उपबारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 80 विघा 16 विश्वा जो कि ग्राम हल्दी जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रज लखनऊ

तारीख : 7-11-1973

मोहर।

(जो साग न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आईटोऽपत्तिः—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1  
केन्द्रीय राजस्व भवन,

नई दिल्ली, 14 दिनांक नवम्बर 1973

तिरंगा गा० आई० ए० सी०/एक्य०/एस० आर० 9/जुलाई-1/  
299 (35)/73-74—प्रति, मुझे डॉ० बो० लाल आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-द के अधीन स्थापन  
प्रार्थिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसको सं० 1907 से 1911 है जो कटरा शहनशाही चान्दनी  
चौक दिल्ली मे॒ स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे॒ पूर्व रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे॒ भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 17-11-1973 वो पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से अधिक होने के दृष्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकरण विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि वश्वपूर्वोन्नत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृष्यमान प्रतिफल मे॒, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) वे बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे॒  
वास्तविक रूप मे॒ कथित नही॒ किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व मे॒ कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) गोपी किसी आय या निसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नही॒ किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों मे॒ पूर्वोन्नत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे॒, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री द्वृष्ण लाल पुत्र श्री मनोहर प्रसाद
- (2) श्री रामलाल पुत्र श्री मनोहर प्रसाद
- (3) श्री रघुनन्दन कुमार पुत्र श्री शाम लाल तथा

4-326 GL/73

(4) श्रीमती गोता देवी पत्नी श्री शाम लाल  
निवासी 16/260, 759 जोशी रोड, करोल बाग,  
नई दिल्ली।

2. श्रीमती शान्ति देवी तुलसियान पत्नी श्री गौरी  
शंकर निवासी 1968 कटरा प्रभाल राय,  
किंतरी बाजार चान्दनी चौक दिल्ली।

3. (1) शुभ करन व गर्वर: शंकर, (2) श्री मृति  
मौकली पत्नी श्री जगेश राम मलहोदा

(3) ओम प्रकाश मै॒जी राम गौरी शंकर

(5) श्रीमती चिन्ता मग: तपा

(6) श्री हरि कुमार पौददार सभी 1907 से 1911  
कटरा शहनशाही चान्दनी चौक दिल्ली के उपभोक्ता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोन्नत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
मे॒ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोन्नत व्यक्तियों मे॒ से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
मे॒ किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे॒ विए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोन्नत दैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

**अनुसूची**

तीन मंजिल जगदाद म्युनिसिपल नं० 1911 से 1911,  
कटरा शहनशाही चान्दनी चौक दिल्ली जो कि लगभग 74 वर्ग  
गज भूमि पर बनी है तथा जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैः

उत्तर — जगदाद नं० 1903 से 1906

दक्षिण — जगदाद नं० 1912 से 1917

पूर्व — कारपोरेशन की सम्पत्ती

पश्चिम — आम रास्ता।

(झ० झ० लाल)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 13 नवम्बर 1973 अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेज-1/2, दिल्ली-1  
केन्द्रीय राजस्व भवन,

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एस० II आर० 1/मई 11/ 219 (95) 73-74/5376—यतः, मुझे डी० बी० लाल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन स्थान प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं प्लाट 55 बी० है, जो रामा रोड नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्वी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर क्षेत्र के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-पत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं निया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के घट्ठों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राजेन्द्र कुमार गुप्ता एवं श्री बनवारी लाल गुप्ता, निवासी नं० 6, अण्डर हिल रोड, दिल्ली। (अन्तरक)

2. (i) सुभाष चन्द्र (ii) रमेश चन्द्र, (iii) विनोद कुमार सभी सुपुत्र स्वर्गीय श्री रामचन्द्र कथूरिया निवासी निवासी 47 के नगर, नई दिल्ली।
3. मै० एटलस शू कंपनी, ए०-४७, के.टि नगर, दिल्ली,
- (ii) मै० कथूरिया एण्ड सन्ज, 5/32, के.टि नगर एण्डरियल, एरिया नई दिल्ली।
- (iii) श्री विद्या सागर सुपुत्र श्री चान्दी राम, 59/21, न्यू रोहतक रोड; नई दिल्ली।
- (iv) श्री प्रवाण चन्द्र लूधरा सुपुत्र श्री मोहन लाल, ए०-१०-ए०, ग्रीन पार्क नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित विद्या जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**  
प्लाट वा भाग जिसवा क्षेत्रफल 5735—20 वर्ग गज है और जो 'लाट नं० 55 का भाग है और अब प्लाट नं० 55 बी० कहा जाता है। दिवारों मेलवा एवं द्यूबैल सहित उत्तर पूर्व की ओर है तथा रोड नजफगढ़ रोड पर स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं।

उत्तर पूर्व—इण्डिया वाथर एण्ड जनरल प्रा० लिमिटेड (55अ०) दक्षिण पर्व—लीडिंग प्लेटफार्म।

उत्तर-पूर्वी चम — रामा रोड दक्षिण-पश्चिम — प्लट नं० 56।

बी० बी० लाल

सम्म आधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 13 नवम्बर 1973।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुष्म (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 98/73-74—यतः, मुझे एस० बालसुब्रमण्यम् सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 215, 214, चेरला पल्ली है, जो मोदी में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिन्दुपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी हरे या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; अर्थात्

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) हनुमकका (2) अनजिना रेडी (3) किशना-रेडी, (4) वेंकटरेडी, (5) सिवा रेडी सभी चेरलापल्ली मोजे, मोदी टपाखाना, हिन्दुपुर तालूका, अनन्तपुर जिला में रहते हैं। (अन्तरक)
2. श्री जे० निम्मा रेडी, चेरला पल्ली मोजे, मोदी तालूका हिन्दुपुर तालूका। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों नी सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

\*\*\*टीका०८७.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्.

अधिनियम, 1961

अध्याय 20-क में

अर्थ होगा, जो उस :

अनुसूची

सम्पत्ति :

- सर्वे नं० 215. 4बी०
- 214. 6
- 215. 1
- 215. 4०
- 215. 4सी०
- 215. 2

वे सभी जमीन चेरला पा०  
तालूका में स्थित।

१८८

तारीख : 6 नवम्बर 197.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 101/73-74—यतः, मुझे  
एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 15/115/12,  
बैंकटरामापुरम है जो नेल्लूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 11-5-1973  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

ने हुई किसी आय की आवत्ता आयकर  
1961 (1961 का 43) के अधीन  
रक के दायित्व में कमी करने या  
लिए सुकर बनाना; और/या

ग किसी धन या अन्य आस्तियों  
आयकर अधिनियम, 1922  
त आयकर अधिनियम, 1961  
पा धनकर अधिनियम, 1957  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
था या किया जाना चाहिए  
उक्त बनाना ।

1961 (1961 का 43) के  
सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
भिलिखित किए गए हैं ।

ग में, मैं, आयकर अधिनियम  
69-घ की उपधारा (1)  
:—

रेही,

(अन्तरक)

2. श्री डोवर वेकट सुब्रा रेही पुत्र मूर्ती रेही,  
वार्ड नं० 15, मकान नं० 115/12-बैंकटरामापुरम,  
नेल्लूर जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिमूचित विद्या जाता है कि इस भ्यावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में निए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की तावाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—वार्ड नं० 15, दरवाजा नं० 115/12,  
बैंकटरामापुरम, नेल्लूर जिला ।

एस० बाल सुब्रमण्यम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-11-73

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, हैदराबाद

• हैदराबाद, दिनांक 12 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 103/73-74—यतः मुझे  
एस० बाल सुब्रमण्यम, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 3-6-175/4×5, हैदरगूडा है, जो  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अन्तर्गत  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीरेटर अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 11-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-  
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मीर जाफर अली खान बलद श्री मीर मेदी अली खान 10-1-123/बी, मासब टांक हैदराबाद।  
(अन्तरक)
2. श्री किशोर नारनदास लखानी 4-5-601/2, सुल्तान बाजार, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

**सम्पत्ति :**—3-6-175/4, संथा 5, हैदरगूडा, हैदराबाद क्षेत्रफल 256 वर्ग गज।

एस० बाल सुब्रमण्यम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-11-1973  
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1973

निर्देश सं० आर० ए० सी० 102/73-74—यतः  
मुझे एस० बाल सुप्रमाण्यम्, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 3-6-175/2×3, हैदरगूडा है, जो हैदराबाद  
में स्थित है (और उससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 18-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया  
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घर या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

• और यतः, आयकर आद्यानयम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मीर जाफर अली खान वरुद श्री मेदी अली खान,  
10-1-133/बी, मासब ट्यॉक, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री नारनदास लखानी, 3-6-175/2×3,  
हिमायत नगर, हैदरगूडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**इष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—3-6-175/2 तथा 3, हैदरगूडा, हिमायतनगर,  
हैदराबाद क्षेत्रफल 230 वर्ग गज

एस० बाल सुप्रमाण्यम्,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-11-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज- 60/61, एरंडवना, कवे रोड, पूना  
पूना-411004, दिनांक 12 नवम्बर 1973

निर्देश सं० सी० ए०/५मि/७३/अहमदनगर/८१/७३-७४—  
यतः, मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- मध्ये से अधिक है और जिसकी सं० 15/1 है, जो चाहुराणा देहात जिला अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, अहमदनगर में भारतीय रजिस्ट्रीर्ड अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-५-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीर्ड विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नथित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-घ के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही पुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री होमा जहांगिरजी दमानिया  
अकबर कांटन प्रेस, स्टेशन रोड, अहमदनगर।
- (अन्तरक)

2. नवजीवन सहकारी गृह निर्माण संस्था  
चेयरमैन: श्री राम स्वरूप श्रीजलाल मवाल  
सर्जेपुरा गृ० झ० 6143, अहमदनगर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उपर में बिए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वाक्षरकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

चाहुराणा देहात में जमीन स० झ० 15/1, क्षेत्र दो एकड़।

जी० कृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 12-11-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,  
का कार्यालय 60/61, एरंडवना कर्वे रोड, पूना  
पूना-411004, दिनांक 12 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० मी० ए०/५/मई/७३/हवेली-II/८२/७३-७४—यतः  
मुझे जी० कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०  
क्र० 109 हि०क्र०/एच-1-जी है, जो कोथरुड में स्थित है (ग्रीर  
हससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय हवेली-II पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतर्गत 29-5-1973  
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योंत  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोंत सम्पत्ति के अंतर्गत कार्य-  
वाही शुल्क करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मानाविन्दु सहकारी गृह रचना संस्था,  
क्षेत्रमैनः श्री बी० पी० किरकोले,  
263, बुधवार, पेठ पूना क्र०-2

(अन्तरक)

2. श्री रमेशचन्द्र एन० चौरडिया

पाषाण पूना, क्र० 8

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोंत सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित  
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अंतर्गत इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोथरुडमें प्लाट जिसका स० क्र० 109 हि० क्र० 1 एच  
क्षेत्र 32 गुंठे हि० क्र० 1 आय क्षेत्र 25 गुंठे हि० क्र० 1 जी० क्षेत्र  
1 गुंठा कुल क्षेत्र 58 गुंठे।

जी० कृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 12-11-1973

मोहरः

॥१८० अप्र० ८० पृ० ५०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रेज-2  
वम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अ० ई० 2/563/1017/73-74—यतः मुझे  
ग० सो० राव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज  
2 वम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लाट  
सं० 4 और 6 है, जो चेम्बूर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय वम्बई में सेक्टर सं० 3 भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
18-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकॉर्ट  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शामजी खिमजी छेडा श्री  
रावजी खिमजी खेडा (अन्तरक)
2. श्रारोही को० आप० हाऊ० सो० लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गमानि के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जोकि  
बहुत वम्बई के बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उपजिला  
के चेम्बूर में स्थित है मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जोकि सेक्टर  
क्र० 3 का प्लाट सं० 4 एवं 6 है, जोकि माप से करीब 993-  
32 वर्गमीटर मानी कि 1188 वर्गगज के समकक्ष है नये  
सर्वेक्षण क्र० 320 धारण की हुई भूमि का भाग है एवं निम्न  
प्रकार से घिरा हुआ है:—

उत्तर में या और प्रस्तावित 44 चौड़ी नगरपालिका की  
सड़क, दक्षिण में या और सेक्टर क्र० 3 के 2 एवं 5क्र०  
धारण किये हुए प्लाट, पूर्व में या और सेक्टर क्र० 3 के 5  
एवं 8 क्र० धारण किया हुआ प्लाट एवं पश्चिम में या और  
कुछ अंश सेक्टर क्र० 3 का 1क्र० धारण किया हुआ प्लाट एवं कुछ अंश प्रस्तावित 44 फीट नगरपालिका की  
सड़क।

ग० सोमेश्वर राव,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 2, वम्बई

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रेज-2

बम्बई, दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अ० ई० 2/538/921/73-74—अतः मुझे, ग० सो० राव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 89, सैक्टर सं० 1 है, जो चेम्बूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अनाहिया था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री शामजी खिमजी छेड़ा श्रौर  
रावजी खिमजी छेड़ा (अन्तरक)
2. श्री अनन्तकुनार रामचन्द्र करमरकर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्दारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जोकि बहुत बम्बई के उपनगर जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उपजिला के चेम्बूर में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुआ है, जोकि सैक्टर क्रम 1 का प्लाट क्र० 89 है, जोकि माप से करीब 705 वर्गमीटर कि 589-47 वर्गमीटर के समकक्ष है, सवक्षण क्र० 320 धारा ८० हुई भूमि का भाग है।

ग० सो० राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 8 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रेज-3

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1973

निर्देश सं० अर्जन सं० 3/181/73-74—अतः मुझे श्री आर० जी० नेहरूकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3

बम्बई, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० नई एन० एस० 226, बी० और सी० टी० एस० सं० 1430 है, जो सरदार बल्लभाई पटेल रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में मौजे एकसार बोरीवली भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) पद्मकान्त विठ्ठलदास बलाल ।  
(2) कलावती पद्मकान्त दलाल ।  
(3) विनय पद्मकान्त दलाल ।  
(4) मिनल विनय पद्मकान्त दलाल ।  
(5) विपुल विनय विठ्ठलदास ।  
(6) राजेन्द्र पद्मकान्त विठ्ठलदास ।  
(7) सीमा राजेन्द्र पद्मकान्त ।  
(8) कुमुम राजेन्द्र पद्मकान्त ।
  2. (1) कानजी भगवान पटेल ।  
(2) मेघजी कानजी पटेल ।
- अन्तरक

(3) गोपाल कानजी पटेल ।  
(4) जीतेन्द्र मनीलाल पटेल ।  
(5) सुरेशबन्द्र धीरजलाल रावल ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्विंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या अंग, जो मंडपेश्वर रोड, जिसे सरदार बल्लभाई रोड के नाम से जाना जाता है पर मौजा एक सर बोरिवली में है और रजिस्ट्री उप-जिला और जिला, बम्बई नगर एवं बम्बई उपनगर के अंतर्गत है, माप से 6913 वर्गज यानी लगभग 5780 वर्गमीटर के बराबर है, जिसकी नयी एन० ए० सं० 226 बी और सी० टी० एस० सं० 1430 इत्यादि, म्युनिसिपल वार्ड सं० आर० सं० 5096, 1, 2, 3, और 4, और गली सं० 449, 450, 452, व 451 सरदार बल्लभाई पटेल रोड, है, तथा पूर्व में मंडपेश्वर रोड जो सरदार बल्लभाई पटेल रोड कहलाती है, से पश्चिम में या और सं० 188 वाली सम्पत्ति से, उत्तर में या और सं० 270 वाली सम्पत्ति से, और दक्षिण में या और थोड़ा सा सं० सं० 269 वाली सम्पत्ति और थोड़ा सा सं० सं० 266 वाली सम्पत्ति से, चिरा हुआ है।

आर० जी० नेहरूकर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 7 नवम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज,  
लखनऊ

दिनांक 12 नवम्बर 1973

निवेश सं० 18 के० अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० 155 है, जो ग्राम गिरधर नगर, नैनीताल में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हॉल्डवानी में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 29-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युल लिखित  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

श्रतः, श्रव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मोती राम

(अन्तरक)

2. श्री करमचन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषिक भूमि 49 बीघा 8 बिस्वा जोकि ग्राम गिरधरपुर जिला  
नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 12 नवम्बर, 1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 12 नवम्बर 1973

निवेश सं० 17, जे० अर्जन—यतः, मुझे, एस० सी० बहल निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खाता नं० 12 है, जो जिला नैनीताल मे स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्दवानी मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीट्रूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचवां प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम सिंह और अन्य  
(अन्तरक)
2. श्री जरनैल सिंह  
(अन्तरिता)

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित करने के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

**स्वाक्षरण:**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथालिमानित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुमूल्य

कृषिक भूमि 44 बीघा 1 ब्रिस्वा जोकि जिला नैनीताल मे स्थित है।

एस० सी० बहल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 12-11-73

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 12 नवम्बर 1973

निदेश सं० 15 के० अर्जन—यतः मुझे एस०मी०बहल सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 208 है, जो ग्राम हिम्मतपुर, नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हल्दवानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जिसका उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उत्तमादेवी

(अन्तरक)

2. श्री केहर सिह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 38 बीघा 18 बिस्ता जोकि ग्राम हिम्मतपुर जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-11-73

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1973

निदेश सं० 4-वी/अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 269 है, जो दभोरा अहतमली में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय काशीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्थावर 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थति :—

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थति :—

1. श्री हंसराज सिंह आदि

(अन्तरक)

2. श्री विचित्र सिंह आदि

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका रकमा 10 एकड़ और 71 डिसीमिल और जो दभोरा अहतमली में स्थित है।

एस० सी० बहल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-11-73

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री वरम आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 12 नवम्बर, 1973

निदेश सं० 19-के०/अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो उदपुर घाटमपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाहगंज में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती कलावती देवी आदि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**सूची**

कृषि भूमि जिसका रक्कड़ा चार एकड़ 37½ डिसिमिल है और जो उदपुर घाटमपुर में स्थित है।

एस० सी० बहल  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12-11-73

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एम० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक 12 नवम्बर, 1973

निवेश सं० 14-के०/अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेज, लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० ——है, जो ग्राम मड़ईया रतना, नैनीताल में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख की उचितारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री डमाम उद्दीन

(अन्तरक)

2. श्रीमती अलमा बेगम

(अन्तरिकर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उत्तरकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 80 बोघा जोकि ग्राम मड़ईया रमना जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 12-11-73

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
260 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक 12 नवम्बर, 1973

निर्देश सं० 17-के अर्जन—अतः मुझे श्री एस० सी० बहल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 265ब के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 38, है, जो ग्राम वित्तीय नैनीताल हल्दवानी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-5-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेव के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ब) ऐसी विसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

1. श्री हरीश चन्द्र विष्णु

(अन्तरक)

2. श्री खीमानन्द शर्मा

(अन्तरिकर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए नारीख और स्थान नियत दिए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

एष्ट्रोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है—

ममुसूची

कृषिक भूमि 38 बोधा 18 विस्वा जोकि ग्राम विठोरिया जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 12-11-73

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय,

अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक 7 नवम्बर, 1973

निवेश सं० अर्जन 3/166/73-74अर्जन-यतः, मुझे आर०जी० नेहरूकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु से अधिक है और जिसकी सं० सब० 128, हिस्सा सं० 3 अंश है, जो स्वामी विवेकानन्द रोड, जो बोरोवली तालुका के कादीवली ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्री का कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि प्रत्यक्षरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० एल० मारीसन, सन एण्ड जोन्स, (इंडिया) लिमिटेड  
(अन्तरक)
2. स्मिथ एण्ड नेफ्यु (इंडिया) लिमिटेड,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

उस जमीन में से अन्तरक के धार समान अविभाजित उन्नीसवें भाग, जिसका क्षेत्रफल माप से 12,709-176 वर्ग-मीटर है और जो बोरिवली तालुका (बहुत बम्बई) के कांदिवली गांव में स्वामी विवेकानन्द रोड से अलग स्थित है। इसकी सर्वेक्षण सं० 128, हिस्सा सं० 3 (अंश) और नगर सर्वेक्षण रजिस्टर में नगर सर्वेक्षण सं० 26 और 26/1 के अन्तर्गत वर्ज है।

आर० ओ० नेहरूकर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख : 7-11-1973

मौहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1, बम्बई  
दिनांक 8 नवम्बर 1973

निर्वेश स. अ० ई० 1/524-7-सितम्बर 73—अत. मुझे  
आर० जी० नेहरूकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० न्य० सं० न० 3345, 3347, 14/03345,  
सी० एस० सं० 28 हिस्स। और 31/30 वरली डिलीजन है,  
जो डा० अनीबेसेन्ट रोड वरली बम्बई में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा०  
अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्टर बम्बई, और भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
10-9-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता० विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या  
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री वसंतराव दत्तजी धनवटे और अन्य (अन्तरक)
2. ट्रस्टीज आफ एच० एच० डा० सिडने ताहेर सैफुद्दीन मेमोरियल फाझेशन, (अन्तरिती)
3. संषोइन इंडिया लिमिटेड (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आश्रेत, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना नी

तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू द्वारा अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोत्स्तानी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आशेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पेशन और टेक्स टेन्यूर (उपकर मौचित) पट्टे की भूमि या मैदान का वह तमान इकड़ा या अंग जो नगर व रजिस्ट्री उप-जिला बम्बई में बम्बई फोर्ट के बाहर, वाली डा० एनीबेसेन्ट रोड पर स्थित, मौजूद और पड़ा हुआ है, माप से 2000 वर्ग गज यानी 1972-26 वर्गमीटर के समकक्ष या उसके लगभग बराबर है। उस पर खड़ी छारतों, व ढांचो सहित, जिसे 'बी' चिह्नित, 'सेडोज हाउस' कहा जाता है, प्लाट सं० बी० है जो वरली संभाग कडेस्ट्रल सर्वेक्षण में 2 (अंश) का अंग है और कथित सम्पत्ति वरली के उस बड़े भूभाग का अंग जिस भूमि या परिसरके शिव-सागर इस्टेट कहा जाता है। यह भूराजस्व कलेक्टर की पुस्तकों में सं० 4069 और नयी सर्वेक्षण सं० 3345, 3347, 14/03345 और कडेस्ट्रल सर्वेक्षण 2 (अंश), 3 और 1/3 वरली संभाग है तथा जो बृहत् बम्बई नगरपालिका निगम के म्युनिसिपल दरों व करों के निर्धारिक व कलेक्टर द्वारा जी०-वार्ड, की सं० 12 व स्ट्रीट सं० 12 ए, लाला लजपत राय मार्ग, जो डा० एनीबेसेन्ट मार्ग है, के अंतर्गत कर निर्धारित होता है। एव निम्न प्रकार से विवर हुआ है—अर्थात् उत्तर में या और प्लाट सं० सी० जो कथित शिव-सागर इस्टेट का है, दक्षिण में या और कथित शिव-सागर इस्टेट का प्लाट सं० "ए" पूर्व में या और कथित डा० एनी-बेसेन्ट रोड तथा पश्चिम में या और कथित शिव-सागर इस्टेट का बगीचा, और यह जो कथित सेन्डोज हाउस का परिसर शिव-सागर इस्टेट लिं० के प्लाट सं० बी० पर है। वह यहां लगे उसके नक्शा में रेखांकित करके उसके चारों ओर लाल रंग की सीमा रेखाओं से दिखाई गई है।

आर० जी० नेहरूकर

सभ्य प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 बम्बई।

तारीख: 8 नवम्बर 1973

मोहर:

प्रूलुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ध (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज  
कलकत्ता

दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश म० ग० नी० 21/आर०- /थैल/73-74—यह, मुझे  
एस० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थाष्ठार सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।  
और जिसकी सं० 15 है, जो मेफेयर रोड कलकत्ता में स्थित है और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफएस्पोरन्सिस कलकत्ता में  
भारतीय रंजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 -1908 का 16 के  
अधीन 30-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर विलय के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 मेसर्सं बी० एन० एलियास ऐण्ड के० प्रा० लि० अन्तरक
  - 2 मेसर्सं बी० एम० मंत्री ऐण्ड कं० प्रा० लि० अन्तरिती
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-  
द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।
- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार द्वारा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

नं० 15 मेफेयर रोड कलकत्ता जिला 24 परगना में एक बीषा  
जमीन और उस पर बना दो मंजला मकान।

एम० एन० तिवारी  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज

तारीख - 9-11-1973।

मेर्हर :—

(जो लागू न हो उसे काट बीजिए)

प्रारूप आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

विनांक 5 नवम्बर 1973

निदश स० ए० सी०-२०/आर०-IV/फै८/७३-७४—मतः, मुझे एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० दाग न० 3011/3172 है, जो मौजा खारदा म्युनिसिपैलिटी टीटागढ़ में स्थित है (और इससे उद्घाटन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐस्योरेन्स बैंक कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-५-१९७३ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) श्री राम गोपाल भोखलिया (ii) श्री महावीर प्रसाद सोथलिया (अन्तरक)

## 2. मेरसर्स अम्बेकायर इन्डस्ट्रीज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्थाकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

टीटागढ़ म्युनिसिपैलिटी (जिला 24 परगना) के मौजा खारदा में सी० एस० दाग न० 3011/3172 खतियान न० 1222 आर० एस० न० 18 जे० एस० न० 2, तौजी न० 1505 में 25 कहा जानी और उस पर बने मकान, गोदाम, मशीनरी, ट्रूबर्चेन आदि।

एम० एन० तिवारी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज IV  
पी० 13, भौंगी स्थायर, कलकत्ता

तारीख: 5-11-73

मोहर:

प्रध्य थाई० टी० एस० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर  
दिनांक 14 नवम्बर 1973

निर्वेश सं० ए० एस० आर०/पी एएच जी०/ए० पी०-३७३/७३-७४—यतः, मुझे आर० एस० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 480 मई 1973 को लिखा है, जो गांव अधिकाली स० फिल्लौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में भारतीय रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई तो पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्रीतो, श्रीपो, दुखतंरा श्रीर सिंह पुत्र श्री वाल सिंह वासी अधिकाली लहसील फिल्लौर। (अमृतक)

(2) स० इन्द्र सिंह, कुन्दन सिंह जौगिन्द्रसिंह, पुत्र सरदार करनौल सिंह वासी दौलत कला तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हृषि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किंसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 480 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

आर० एस० साहनी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 14-11-1973

मोहर :  
(जो सामने न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज- अमृतसर

दिनांक 14 नवम्बर 1973

निवेश सं० ए० एस० आर०/पी एच जी० /ए० पी०-३९०/७३-७४—यत्, मुझे आर० एस० सहानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 378 मई 1973 को लिखा है, जो गंव भानोकि तहसील फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण सेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गम सिंह पुत्र श्री चरन सिंह गंव भानोकि-तहसील फगवाड़ा (अन्तरक)

(2) श्री रेशम सिंह पुत्र श्री राम मिह पुत्र श्री किशन मिह गंव भानोकि तहसील फगवाड़ा (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके नारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 378 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

आर० एस० सहानी,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 14-11-1973

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० पू० ए८०  
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
 की धारा 269घ (1) के अधीन मूल्यना  
 भारत मरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज अमनमर

दिनांक १४ नवम्बर १९७३

निवेदण म-०१०/प्रायोगिकी/प्राप्ति-०-३८९/७३-७-१-यत  
मुझे आरूप प्रायोगिकी आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269वाँ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास दरबने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 356  
मई 1973 की लिखा है, जो गाव भानोकि तहसील फगवाड़ा में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय के बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत ५८ दारागत्व में सभी रुपये या उससे बचने के लिए भूकर बनाना, और /या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) दे प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिए सुनार बनाना ,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के गद्दों में पूर्वांकत मम्पनि के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये

अतः अब, धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा

( १ ) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् .—

- ( 1 ) श्री राम सिंह पुन्न श्री चरणसिंह वामी गाव भानोकि  
तहसील फग्धाड़ा ( अन्तरक )

( 2 ) श्री अवतार सिंह पुन्न श्री गम मिह गाव भानोकि  
तहसील फग्धाड़ा ( अन्तरिती )

( 2 ) श्री/श्रीमती/कुमारी जंसा कि न० २ पर है ( वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है ) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदुदारा कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिमूलित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिति को की जायगी।

एद्वद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण** :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथार्थभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसुची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 356 मई 1973  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा मे लिखा है।

आर० एम० साहनी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज. अमृतसर ।

तारीख : १४-११-१९७३

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-अमृतसर

दिनांक 14 नवम्बर 1973

निर्देश स० ए० एस० आर०/पीएचएल०/ए० पी०-  
388/73- 74—यत्, मुझे आर० ए० साहनी, आय-  
कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
म० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 721 मई  
1973 में लिखा है, जो गांव शमशाबाद तहसील फिल्लौर में स्थित  
है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण में दुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने के लिए सुकार बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

- (1) श्री मुन्नीराम सपुत्र तुलसी राम गाव शमशाबाद तहसील फिल्लौर। (अन्तरक)
- (2) श्री पाखर सिंह सपुत्र धर्म सिंह गाव मोरन तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)
- (3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितयद है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।  
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्द जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों में यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 721 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

आर० एस० साहनी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख 14-11-1973  
मोहर .

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक 14 नवम्बर 1973

निदेश -स० ए०ए०स० आर०/नीएचएल०/ए० पी०-३८७/७३-७४-यत, मुझे आर०ए०स० सहनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीड़िक्युट विलेख नं 578 मई 1973 में लिखा है। जो कल्डोला कला मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर मे भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीड़िक्युट विलेख के प्रनुभार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए निए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धर्मान्यो का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण मे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री तरलोक सिंह सपुत्र स्त्री भिंड वामी गांव कन्तोला कला तहसील फिल्लौर। (अन्तरक)

(2) श्री टैंहल मिह सपुत्र मन्दा भिंड वामी मिलोन करगडोला कला, तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न 2 मे है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे हुच रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो --

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी अक्ति होता।

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य अक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकते।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

पृष्ठोक्तरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे ग्राहापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीड़िक्युट विलेख नं 578 मई 1973 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर मे सिखा है।

आर० एस० साहनी,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख 14-11-1972

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुप श्राई० नी० एग० पम०... . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 14 नवम्बर 1973

निवेद मं० ए०ए०आर०/एन०शहर०/ए० पी०-३८६/७३-७४-  
यतःमुझे आर ए० साहनी, आयकर अधिनियम 1961,  
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं०  
भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 261 मई  
1973 मे लिखा है, जो गांव शहों मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नवांशहर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य  
के लिए कार्यवाही शुरू करता हू वही शुरू करने के कारण मेर द्वारा  
अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब शारा १६८-ग अनुमरण मे, भी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्रामा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री अवतार सिंह, नरिंद्र मिह सात गम अभाया गाव  
राहों, नहसील नवांशहर। (अन्तरक)
- (2) श्री जगत मिह सपुत्र हीरा मिह वासी लुधियामा।  
(अन्तरिती)
- (3) श्री जैसा कि नं० २ मे है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है )

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे  
हितबद्ध है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे ये  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 261 मई 1973 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर मे लिखा है।

आर० एम० साहनी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
मोहर: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
(जो लागू न हो उस काट दीजिए) अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1973

निदेश सं० ए० एम० आर०/एन० शहर/ए० पी० 385—  
यतः, मुझे आर० ए० सौचनी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 411 मई 1973 में लिखा है, जो गांव मुठाडा तसील नवांशहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हे भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या विया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नायंवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अत, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रत्न सिंह सपुत्र लक्ष्मा सिंह, गाव मठाडा तहसील नवांशहर। (अन्तरक)

(2) श्री रणजीत सिंह, शालत सिंह, गुरजीत सिंह चपड़ान पूर्ण सिंह जगद्वीर कीर पल्ली महिन्द्र सिंह गांव शकर तहसील नवांशहर मार्केट रणजीत सिंह। (अन्तरिक्षी)

(3) जैसा कि नं० २ में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से अधोहस्ताक्षरी जानता है )

(1) कोई व्यक्ति जो समाति में रच रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर गूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में मध्यात होती है, के भीतर पूर्वान्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और रथान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा समाति के अन्तर्गती वो दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मूले जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 411 मई 1973 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

प्रार० एम० माहनी,  
भद्रम प्राधिकारी,  
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख . 14-11-1973

भोड़र

प्रस्तुत आई० दी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन अमृतसर

दिनांक 14 नवम्बर 1973

निदेश सं० प० एस० आर०/एन० शहर/ए० पी०-३८४—  
यत्, मुझे आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है और जिसकी मं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलोख नं० 412 मई 1973 में लिखा है। जो गाव माठाडू नहसील नवांशहर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-भूमी में और पूर्णस्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलोख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से ढूँढ़ किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हजारा सिंह सपुत्र सुमन्दर गांव भाठहडा तहसील नवांशहर। (अन्तरक)

(2) श्री रणजीत मिह, दौलत सिंह, मुरजीन सिंह सपुत्रात पूरन मिह थीमती जसवीर कौर पली महिन्द्र मिह गाव गंकर तहसील नकोदर मार्केट रणजीत सिंह। (अन्तरित)

(3) श्री श्रीमती कुमारी जैसा कि न० 2 मे० है। (वह व्ययक्त जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री श्रीमती कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुच रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति है में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रातः इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उमकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा ममति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में गथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलोख नं० 412 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

आर० एस० साहमी,  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख 14-11-1973

मोहर

प्रसूप आई० टी० एन० पृग०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—अमृतसर

दिनांक 14 नवम्बर 1973

निवेश स० ए० एस० आर०/पीएचएल/ए० पी०-३८३/७३-१—  
यतः मझे आर० एम० साहनी, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है आय जिसकी  
स० धरती, जैसी कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 481 मई 1973  
को लिखा है, जो गांव अधिकाली तहसील फिल्हार में स्थित है  
(आंख इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्तर से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्हार में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973,  
मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रनश्चित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, आंग/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनश्चिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधायाय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसार (1)  
की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सरदार भगत सिंह पूर्व गवर्नर बीर मिह वासी  
अधिकाली तहसील फिल्हार। (अन्तरक)

(2) सरदार इन्द्र सिंह, कुन्दन सिंह, जोगिंद्र सिंह, पुत्र सरदार  
करनैल मिह दन्तु कसों तहसील फिल्हार। (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमति/कुमारी जैसा कि नं 2 पर है। (वह  
व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है )

(4) श्री/श्रीमति/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि  
रता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है )

को यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई द्वारा, तो :—

(क) इस सूचना के गजपति में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्त्वमत्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
ममात्स होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपति में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
गन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में लिए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख ग्रीग स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार दोगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 481 मई 1973  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्हार में लिखा है।

आर० एस० साहनी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 14-11-1973

मोहर.

(जा लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आदृत टी० एन० एम० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भवानी आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक 14 नवम्बर 1973

निदेश स० ए० एम० आर०/पीएचएल/ए० पी०-३८२/७३-७५  
यतः मङ्ग्ले आर० एम० साहनी, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी न० धरता, जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 455 मई  
1973 को लिखा है, जो गांव पंजाहरा तामील फिल्लोर में स्थित  
है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है).  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय, फिल्लोर में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973,  
मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तर्गत  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
सिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बावत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरी द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या लिया जाना चाहिए  
था छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनिलिखित  
किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रतापी पुनी श्री वंता राम वासी हरा तहसील  
फिल्लोर। (अन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल पुन श्री मिलग्री राम वासी फिल्लोर  
(अन्तरिती)

(3) श्री श्रीमति कुमारी जैसा कि न० २ पर है। (वह  
व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री श्रीमति कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में नहीं  
रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-के में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरता, जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 455 मई 1973  
नो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लोर में लिखा है।

आर० एस० साहनी,  
मकाम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर,

तारीख : 14-11-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काढ दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
259ष-१ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

फिल्मोर दिनांक 14 नवम्बर 1973

निदेश सं० ए० एस० आर० / ए० पी०-३४१/  
७३-७४—यतः मुझे आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 707 मई 1973 की लिखा है, जो गांव दोसांज खुरद तहसील फिल्मोर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्मोर में भारतीय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती जौगिन्द्र कौर विधवा श्री सोहन सिंह पुत्र सत्या सिंह वासी गांव दोसांज खर्ब तहसील फिल्मोर जिला जालंधर (अन्तरक)

(2) श्री जौगिन्द्र सिंह पुत्र रणजीत सिंह पुन्हा मेहर सिंह वासी दोसांज खर्ब तहसील फिल्मोर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० २ पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 707 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्मोर में लिया गया है।

आर० एस० साहनी  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 14-11-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 14 नवम्बर 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/एन० शहर /ए० पी०-३८०/  
73-७४—यतः मुझे आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० घरतो जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 512 मई 1973 को न द्वा० है, जो गांधी इराँ नही० नवांशहर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रीटर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रदद्ध प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही० किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई विसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-भार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही० किया गया था या किया जाता जाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-वा० के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाही शर्त घोरने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित थिए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के मध्याय 20-वा० की आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपायरा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री तरोम चिह्न पुत्र श्री करतार सिंह गांधी इंसरो तहसील नवांशहर। (अन्तरक)

(2) श्री साधु सिंह रुच श्री भोजितह गाव पालहा तहसील।  
फगवाड़ा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताधरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सच रखता है। (वह व्यक्ति जिसके द्वारे में अधोहस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शर्त करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, प्रदि कोई हो, न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में लिए गए आक्षेपों, प्रदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निश्चित किया जाएगे और उकी सूचना हर एंसे व्यक्ति को, जिसे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा०, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-वा० में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 512 मई 1973 को रजिस्ट्रीबर्सा अधिकारी नवांशहर में सिखा है।

आर० एस० साहनी

सक्षम प्राधिकारी

राहायड़ आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-11-1973

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा  
269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक 14 नवम्बर 1973

निवेदा सं० ए० एस० आर०/एन० शहर/ए० पी०-३७९/  
७३-७४—यतः मुझे आर० एस० लाहनी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० अर्थात् जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 427 मई 1973 को लिया है गांव जठिला तहसील नवांशहर में स्थित है (और इससे उत्तरवाच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायीलय नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थास् :—

(1) नवांशहर नाथ गांव अमृतसर तहसील नवांशहर।  
(अन्तरक)

(2) श्री सुन्दरा कुलदीप, जोगा पुरा धामन मोहिम्बर हिं, जौगिदर पुर गुरमेल गांव अमृतसर तहसील नवांशहर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जाता है )

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए उत्तद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार द्वारा।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 427 मई 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवांशहर में लिखा है।

आर० एस० साहसी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज अमृतसर।

तारीख : 14-11-1973

मोहर :

प्रलम्प आई० टी० एन० एस० . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज कार्यालय अमृतसर

तारीख 14 नवम्बर 1973

निवेश सं० ए० ए० स० आर० / एन० शहर० / ए० पी० - 378/73-74-  
यसः मुझे आर० ए० स० साहनी आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की भारा 269-अ के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 413 मई,  
1973 में लिखा है, जो गांव मुथौड़ा तहसील नवाशहर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवाशहर में भारतीय रजिस्ट्र-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1973 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि  
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के माझों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रत: यद्य, भारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत:—

- (1) श्रीमती भागो विघ्ना गुरवेंद्र कुमार, गुरदीप कुमार,  
भजन कुमार सुपुत्र करतार सिंह जासी  
मुटासोदिंयो तहसील नवाशहर) (अन्तरक)
  - (2) श्री रणजीत सिंह,  
दौलत सिंह, सुरजीत सिंह  
सुउवान पुरन सिंह श्रीमती जसवीर कौर  
पत्नी महिन्द्र सिंह गांव शंकर मार्फत  
रणजीत सिंह। (अन्तरिती)
  - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह अधिकृत जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
  - (4) कोई अधिकृत जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह अधिकृत  
जिसके जारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में  
हितमद है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियो शुरू करता है।
- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आधेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे अधिकृत को, जिसने ऐसा आधेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है।  
आधेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 413 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी नवाशहर में लिखा है।

आर० ए० स० साहनी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- अमृतसर

तारीख: 14-11-1973

मोहर:

प्रस्तुत श्राई० ठी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ-(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज अमृतसर  
दिनांक 14 नवम्बर 1973

निवेश स०ए०ए०स०आर०/एन०शहर/ए०पी०-३७७/७३-७५—  
यतः भूमि आर० एस० साहनी आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269 घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-० से अधिक है और जिसकी म०  
भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 414  
मई 1973 में लिखा है, जो गाव भूसापुर तहसील नवाशहर  
में स्थित है (और इसे उत्तर अनुसूची में ओर पूर्ण स्पष्ट से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय नवाशहर में  
भारतीय रजिस्ट्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन मई, 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उन्नित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
यह कि अन्तररक्षा (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं  
किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरकर्ता के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या  
(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था  
छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही पूर्ण करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन निम्न-  
लिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

- (1) श्रीमती बाल सत्ता सुपुत्री श्री राम लक्ष्माया गाव मूसापुर  
तहसील नवाशहर। (अन्तरकर्ता)  
(2) श्री साहन सिंह सुपुत्र वरयाम सिंह  
सुरजीत कौर पत्नी सोहन सिंह  
चरनजीत सिंह सपुत्र मलूक सिंह  
गाव मूसापुर तहसील नवाशहर। (अन्तरिती)  
(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग मे  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)  
(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे  
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर मे किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उत्तकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमे प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 414 मई, 1973 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवाशहर में लिखा है।

(आर० एस० साहनी)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख 14-11-73

मीहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कार्यालय अमृतसर।

दिनांक 14 नवम्बर 1973

निदेश स० पू०एस०आर०/एन० शहर/ए०पी०-३७६/७३-७४—  
यतः मुझे आर० एम० माहनी आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ  
के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
स० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 415  
मई, 1973 में लिखा है, जो गोंव मूसापुर तहसील नवांशहर  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन मई, 1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्री-  
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तथ पाया गया कि ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए  
हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपरांत (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवदत्त सपुत्र मूलराज गांव मूसापुर तहसील (नवांशहर)  
(अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह सपुत्र वरयाम सिंह  
तथा श्रीमती सुरजीत कौर पर्वी सोहन सिंह,  
नसीब कौर पल्ली मलूक सिंह  
चरनजीत सिंह सपुत्र मलूक सिंह गांव  
मूसापुर भार्फत सोहन सिंह तहसील  
नवांशहर। (अस्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में कार्य रखता  
है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए के  
एतद्वारा कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो सो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 415 मई, 1973  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

(आर० एस० साहनी)

सशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-11-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सहायक प्रेष परीक्षा, 1974

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1973

सं० एफ० 12/5/73-ई-I(बी)---भारत के राजपत्र दिनांक 17 नवम्बर, 1973 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बृहदी, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, श्रीनगर, शिलांग, तथा त्रिवेंद्रम में 6 जून, 1974 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी ।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा का समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में मन्त्रित किया जाए। (देखिए उपायन्ध II पैरा 10) ।

2. परीक्षा परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों पर भर्ती की जानी है उनके नाम और विभिन्न सेवाओं/पदों में संबंध रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है ।

(i) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य सर्वग (सहायक) का प्रेष IV . . . . .

(ii) ऐल बोर्ड सचिवालय सेवा का प्रेष IV (सहायक) . . . . .

..... 12 (इनमें अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 2 रिक्तियाँ तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित 1 रिक्ति मम्मिलित हैं)

(iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का

सहायक प्रेष . . . 200 (इनमें 30 रिक्तियाँ अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए तथा 15 रिक्तियाँ अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)

(iv) सरकार सेवा मुख्यालय सिविल

सेवा का सहायक प्रेष; . . . 31 (इनमें 6 रिक्तियाँ अनुसूचित जातियों तथा 2 रिक्तियाँ अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।

(v) भारत सरकार के एंग अन्य विभागों, संगठनों तथा सम्बद्ध कार्यालयों में सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख)/ऐल बोर्ड सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में मम्मिलित नहीं हैं

\*भरकार द्वारा रिक्तियों सूचित नहीं की गई है।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

\* 3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के संबंध में परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र में जने की आवश्यकता है। उपायन्ध—I में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही वार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें---उम्मीदवार जो अपने आवेदन-पत्र में, जिन सेवाओं/पदों के लिए वह विचार नियम जाने का इच्छुक है, उनके संबंध में अपना वरीयता-क्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। उसे यह सलाह भी दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता-क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करने में समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

आवेदन-पत्र में उम्मीदवार द्वारा आरंभ में उल्लिखित सेवाओं/पदों के वरीयता-क्रम में परिवर्तन से संबद्ध किसी भी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा अनुरोध 30 नवम्बर, 1974 को या उसमें पूर्व संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार जो निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर मन्त्रिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण एक रूपया भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम साफ़ बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के कार्यालय पर नकाद भेजतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

एक हप्ते की यह राशि किसी भी हासिल में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को जेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सहायक प्रेष परीक्षा, 1974 के लिए दिघी-रेल मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सहायक प्रेष परीक्षा, 1974 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इसर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ प्रतिव, गंध लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 15 जनवरी, 1974 को या उससे पहले (15 जनवरी, 1974 से पहले की किसी तारीख से बिंदंध में तथा अंडमान एवं निकोबार और लक्ष्मीप ममूहों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 28 जनवरी, 1974 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए।

निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपांबंध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उमर्म निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उग्हे एकवम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपांबंध-I के पैराग्राफ़ 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. यदि कोई उम्मीदवार 1973 में ली गई सहायक घेड परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रन्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1973 के परीक्षाफल के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1974 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपांबंध I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

8. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रथी  
उप सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग

#### उपांबंध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु. 7.00) की राशि का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईरों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़ कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से लिए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकत है।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संप्रुट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किसी 25 मार्च, 1971

गे पूर्व भनपूर्वे पर्वी गारिम्बान से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वर्मा में वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट I की शर्तों के अनुसार परीक्षा चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की शर्तों की अपेक्षाओं का पालन नहीं कर सके तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त घटवस्था तथा नोटिस के पैरा 7 में उपर्युक्त घटवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

#### उपांबंध-II

#### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह बेख से कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अस्तित्व रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2 (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र, साक्षात्कार प्रपत्र तथा पात्रती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/ होने चाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र तथा पात्रती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उसके पात्र नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाब आयोग को प्राप्त होने से आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार तथा लक्ष्मीप समूहों में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण-प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 15 जनवरी, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार तथा लक्ष्मीप समूहों में रह रहा था।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैंसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी को हैंसियत से कार्य कर रहा हो उसे अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर (देखिए उपार्ध I ) ।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि ।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि ।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से ० मी० × ७ से० मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियाँ ।
- (v) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4) ।
- (vi) जहाँ लागू हो वहाँ आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5) ।

**नोट:**—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रिस अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही सत्यापित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा परिणाम के आधार पर अहंता प्राप्त कर लेते हों उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाब उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1974 के वित्तमंत्र मास में घोषित किए जाने की संमाधना

है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को उस समय मार्गे जाने पर आयोग को प्रस्तुत करने के लिए तंत्रार रखना चाहिए।

मद (i) से (vi) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं:—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :

### POSTAL ORDER

तथा इस प्रकार भरा जाए : "Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office"

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुद्धित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टल मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, सचिव लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हे भेजना सुरक्षित नहीं है।

**नोट:**—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु 28.00 के बराबर और अनुमूलित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "XXI Miscellaneous Department Examinations—Receipts of the Union Public Service Commission" में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन पत्र के साथ भेजे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर में उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है कथी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे अंश और महिने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर प्रिसिपल से लिए गये प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण-पत्र नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

**नोट 1:**— जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबद्ध प्रविष्ट बाले पृष्ठ की प्रतिलिपि हो भेजनी चाहिए। **नोट 2:**— उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्थीरत्व हो जाने के बावजूद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) योग्यता का प्रमाण-पत्र:— उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियमावली 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा-निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि न भेजी जाय तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए। आयोग इस साध्य के औचित्य पर विचार करेगा, किन्तु उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

**नोट:—**— यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये आवेदन कर सकता है, जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा भें बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर उकता है, बशर्ते कि वह अहंक परीक्षा में इस परीक्षा के प्रारंभ होने से पहले ही समाप्त हो जाय। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जायगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जायगी और यदि अहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के प्रारंभ होने की तारीख से अधिक से अधिक दो महिने के भीतर प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) फोटो की तीन प्रतियाँ:— उम्मीदवार को अपने हाली के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० X ७

सें. मी. ०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक-एक प्रति क्रमशः आवेदन-पत्र तथा साक्षात्कार प्रस्तुत के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और तीसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार के स्पाही से हस्ताक्षर होने चाहिए।

**ध्यान दें:—** उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3 (ii), 3 (iii) और 3(iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से कोई एक प्रस्तुत नहीं किया जाता और उसकी अनुरूपता के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा उसकी अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जायगा। आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत नहीं किए गए प्रमाण-पत्र आवेदन पत्र स्तुत किए जाने के बाद शीघ्र ही भेज दिये जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में (उपर्युक्त पैरा 3(iii) के नोट में दी गई व्यवस्था को छोड़कर) आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महिने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह मान-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फ़ार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पर्वों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत, किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फ़ार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती /कमारी\* —————— सुपुत्र/सुपुत्री/\*श्री—————

जो गांव/कस्बा\*—————जिला/मंडल\*—————

राज्य/\*संघ राज्य क्षेत्र—————

के/की निवासी हैं————— जाति/आदिम\* जाति के/\*की है जिसे निम्नलिखित के आधीन अनुरूपता जाति/अनुसूचित आदिम जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, के साथ पाठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियाँ (संशोधन) आदेश 1956\*

संविधान (जम्मू कश्मीर) अनुसूचित जातिया आदेश, 1956\*

संविधान अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जातियाँ आदेश, 1959\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां  
आदेश, 1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियां,  
आदेश, 1962\*

संविधान (पांडचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1964\*

संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश,  
1967\*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश,  
1968\*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित आदिम जातियां  
आदेश, 1968\*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश,  
1970\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\* \_\_\_\_\_  
और/या उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा\* \_\_\_\_\_  
जिला /मंडल\* \_\_\_\_\_ में  
राज्य / संघ\*राज्य क्षेत्र \_\_\_\_\_ में  
रहने/\*रहती हैं।

हत्ताकार \_\_\_\_\_  
पद नाम \_\_\_\_\_

स्थान \_\_\_\_\_ कार्यालय की मोहर  
तारीख \_\_\_\_\_

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र\*

\*जो शब्द लागू न हों कृपया उन्हें काट दें।

नोट:—उन्हों “आमतौर से रहने/रहती हैं” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेजेटेशन आफ पीयुल एक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिना मैजिस्ट्रेट/ अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/  
डिप्टी कमिश्नर/ ऐडीशनल डिप्टी कमिश्नर / डिप्टी कलेक्टर  
प्रथम श्रेणी का स्टाइलेडी मैजिस्ट्रेट / सिटी मैजिस्ट्रेट / सब डिवि-  
जन मैजिस्ट्रेट / तातुह मैजिस्ट्रेट / एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/  
एक्स्ट्रा असिटेंट कमिश्नर।

(प्रथम श्रेणी के स्टाइलेडी मैजिस्ट्रेट से कम ओहरे का नहीं)

(ii) चीफ रेझोडेंटी मैजिस्ट्रेट / ऐडीशनल चीफ प्रैसीडेंसी  
मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर, जिनका ओहरा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार  
और / या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/ एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव / डेवलप-  
मेंट अफसर। (लक्ष द्वारा समूह)।

5. (i) नियम 5 ख (ii) अथवा के 5 ख (iii) अन्तर्गत आयु में छूट  
का दावा करने वाले भूतपूर्व पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को  
विम्लियित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-  
पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए  
कि वह भूतपूर्व पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और  
1 जनवरी, 1964 को अथवा उत्तरे बाद किन्तु 25 मार्च, 1971  
के पूर्व प्रव्रजन कर भारत आया है :—

(1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिस्ट केन्द्रों अथवा विभिन्न  
राज्यों में स्थित सहायता शिवरो के कैम्प कमाडेट।

(2) उस भ्रेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास  
कर रहा है।

(3) संबद्ध जिलों में शाणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी  
अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के आधीन, संबद्ध सब-डिवीजन  
का सब डिवीजनल अफसर।

(5) उस शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, परिचमी बंगाल निदेशक  
(पुनर्वास), कलकत्ता।

यह उत्तरांध के 1 पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता  
है तो उत्तरों किसी जिला अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान  
मंडल के किसी सदस्य से लिये गये प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भी यह  
दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे  
सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 5 (ख) (v) अथवा 5(ख) (vi) के अन्तर्गत  
आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से  
प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्री लंका (भूतपूर्व लंका) में  
भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण  
पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि  
वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका  
सम्झौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत  
आया है।

यदि वह उत्तरांध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता  
है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी  
राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के  
किसी सदस्य से लिये गये प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भी यह दिखलाने  
के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की  
स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 5(ख) (viii) अथवा 5(ख) (ix)  
के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित  
मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए  
गए पहिचान प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत

करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है, जो 1 जून 1963 को या उ के बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उ के जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ बास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उग्रबंध I के रैताग्राम 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको फिसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 5(ख) (iv) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले पांडेचेरी संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिसिपल से जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फैंचे के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(v) नियम 5(ख) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया उर्गांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से, जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बास्तव में उत्तर्युक्त देशों से आया है।

(vi) नियम 5(ख) (x) अथवा 5(ख) (xi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक पुनर्वासन रक्षा मंत्रालय से तोचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फ़ार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_ के रैक नं. \_\_\_\_\_ श्री \_\_\_\_\_ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अर्णांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_  
पदनाम \_\_\_\_\_  
तारीख \_\_\_\_\_

\*जो शब्द लागू न हो कृपया उसे काट दें।

(vii) नियम 5(ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले गोआ, दमन और दियू के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार

को अपनी मांग की पुष्टि के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए:

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक
- (2) कॉन्सलहैस के प्रशासक (Administrators of the concelhos)
- (3) मामलातादार

(viii) नियम 5(ख) (xiii) या 5(ख) (xiv) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फ़ार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट \_\_\_\_\_ के रैक नं. \_\_\_\_\_ श्री \_\_\_\_\_ सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर \_\_\_\_\_  
पदनाम \_\_\_\_\_  
तारीख \_\_\_\_\_

6. यदि फिसी व्यक्ति के लिए पान्ता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पान्ता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार मंत्रिमंडल मंत्रिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्यौरा न दें और न हो फिसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख प्रस्तुत करें उसकी या उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में ठीक नहीं करें उसमें परिवर्तन नहीं करें फेरबदल नहीं करें और न हो फेरबदल किए गए/झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई ग्राहुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही ग्राहुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबंध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से पंद्रह दिन के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए श्रायोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार का उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना चयागोंघ्रे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरंभ होने का तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संबंध लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्पात्र संरक्षण करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने भाग्य में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नामों और प्रश्न-पत्रों से संबंध नुस्खाओं की विकी ऐनेजर आफ पब्लिकेशंस, तिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आईर अवधार नियम भुगतान द्वारा साथे प्राप्त विधा जा सकता है। उन्हें (i) वित्त अधिकारी, 14 जनपथ बैरेक्स “ए”, नई दिल्ली-(110001), (ii) प्रशासन शाखा के विकी काउंटर उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नर्मेट आफ इंडिया बुल्डिंग, 8-के एस० राय० रोड०, कलकत्ता-१ से भा केम्पल नं०८ पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न नुस्खियों में भारत सरकार के प्रशासन एजेंटों से भा ग्राह्य की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र से संबंध पद-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से सम्बन्ध सभी पत्र आवि संचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, का भेजे जाएं तथा उनमें नामे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाएँ।

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष।
- (3) रोल नम्बर (अवधार उम्मीदवार को जन्म तिथि, यवि रोल नम्बर दूर्घट नहीं किया गया हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा पता छड़े अक्षरों में)।
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पद-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आवि में यह ब्योरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आवि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करे। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग का उसकी सूचना, ‘उपर्युक्त पंरा 12 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशोध दी जाती चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

#### जिज्ञापन संख्या 46

निम्नलिखित पत्रों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों का आयु 1-1-1973 का निर्धारित आयु रीमाओं

के अंतर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी भैचारियों को, उन पदों को छोड़ते जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकता है। ऊरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनीया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी के देशों से प्रवासन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद संख्या श्रवश्य लिखे और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23X10 सेमी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रवासन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रालंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ़ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन-कर सकते हैं और स्थानाय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित लिए हुए भारतीय पोस्टल आईर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने का अंतिम तिथि 17 दिसम्बर, 1973 (विदेशों में तथा ग्रांडमान एवं निकाबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले आवेदकों के लिए 31 दिसम्बर, 1973) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम संख्या 1 का पद स्थायी है किन्तु उस पर नियुक्त अस्थायी आधार पर की जायगी। क्रम संख्या 3 के पद अस्थायी है किन्तु उसके स्थायी कर दिये जाने की संभावना है। क्रम संख्या 2, 4, 5, 7, 8, 9, तथा 10 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चितकाल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम संख्या 6 का पद अस्थायी है किन्तु उसके दीर्घकाली आधार पर चलते रहने की संभावना है।

क्रम संख्या 9 का एक पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम संख्या 1 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है किन्तु यदि अनुसूचित आदिम जातियों/अनुसूचित जातियों का उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता है तो उसे अनारक्षित समझा जायगा क्रम संख्या 2 और 3 में से प्रत्येक के दो पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेंगे आर दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझे जाएंगे। क्रम संख्या 7 का पद और क्रम संख्या 3 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेंगे और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझे जाएंगे।

1. एक सह योजनाकार (योजना इंजीनियर), निर्माण और आवास मंत्रालय। वेतन :— रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :— 40 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से सिविल या भ्युनिसिपिल इंजीनियरों में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसां बड़ा नगर पालिका में दायित्व पूर्ण पद पर जल प्रदाय, जल निकाय तथा मल व्यवस्थन योजनाओं के आयोजन और कार्यान्वित का लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

2. चार उप बास्तुविवेद, निर्माण और आवास मंत्रालय। वेतन रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो० 35-950। आयु-सीमा :— 35 वर्ष। योग्यताएँ अनिवार्य :— (i) विसंग मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बास्तुकला में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) इस व्यवसाय में लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

3. तीन बैंकनिक एवं प्राविधिक अधिकारी, ग्रेड-1 (बूरसंचार अनुसंधान केन्द्र), डाक और तार बोर्ड, बूरसंचार मंत्रालय। वेतन : 400-40-800-50-950। आयु-सीमा :— 35 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों को छुट नहीं दी जायगी। योग्यताएँ : अनिवार्य :— किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बैंक/दूर संचार/इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष डिप्लोमा। अथवा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी या रसायन विज्ञान या गणित में 'मास्टर' या समकक्ष आनंद डिग्री। अथवा एम० एस० सी० (इनेक्सानी) तथा मद्रास प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का डिप्लोमा।

4. एक जल-प्रबन्ध विशेषज्ञ, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। वेतन :— रु० 350-25-500-30-590 द० रो० 30-800 द० रो० 30-830-35-900। आयु-सीमा :— 30 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से हृषि इंजीनियरिंग में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) भूमि और जल प्रबंध का लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

5. एक सहायक प्र० क्षण निरीक्षक, फैली प्रशासन, दिल्ली। वेतन :— रु० 350-25-500-30-590 द० रो० 30-800 द० रो० 30-830-35-900। आयु-सीमा — 35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय

से इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता (ii) किसी विष्यात प्रतिष्ठान या प्रशिक्षण संस्थान में लगभग एक वर्ष का व्यावसायिक या अध्यापन अनुभव। अपेक्षा (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी विष्यात प्रतिष्ठान या प्रशिक्षण संस्थान में लगभग 5 वर्ष का व्यावसायिक या अध्यापन अनुभव।

6. एक वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (वैमानिकी), सिविल विमान भवन विद्यालय। वेतन :— रु० 325-15-475 द० रो० 20-575। आयु-सीमा :— 30 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैमानिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

7. एक सहायक विकास अधिकारी (रसायन), सबलीकी विकास महानिवेशालय, अंदूर्योगिक विकास मंत्र लय। वेतन :— रु० 400-400-450-30-600-35-670 द० रो० 35-950। आयु-सीमा :— 30 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) रसायन विज्ञान में एम० एस० सी० डिग्री। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से रसायन इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी कारखाने में किसी क्षे या प्राविधिक उद्योग में उत्पादन अनुसंधान का पर्याप्त अनुभव।

8. एक गौशाला फैली अधिकारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। वेतन :— रु० 350-25-500-30-590-द० रो० 30-800-द० रो० 30-830-35-900। आयु-सीमा :— 35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से पशुरोग विज्ञान या पशु पालन विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष डिप्लोमा। (ii) किसी मान्यता प्राप्त संस्था में पशु पालन विज्ञान को विसंग शाखा में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण। (iii) पशुधन से संबद्ध व्यावहारिक कार्य का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

9. औषध निर्माण विज्ञान के पांच आलयाता, फार्मेसी कालेज, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। वेतन :— रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो० 35-950। आयु-सीमा :— 40 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :— वर्ग 1 (एक पद) (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से औषध निर्माण विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) औषध रसायन विज्ञान का लगभग 2 वर्ष का अध्यापन व्यावसायिक अनुभव। वर्ग II (दो पद) (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से औषध रसायन विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) औषध रसायन विज्ञान का लगभग 2 वर्ष का अध्यापन व्यावसायिक अनुभव। वर्ग III (एक पद) (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से औषध प्रभाव विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) औषध प्रभाव विज्ञान का लगभग 2 वर्ष का अध्यापन व्यावसायिक अनुभव। वर्ग IV (एक पद) (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से औषध प्रकृति विज्ञान (Pharmacognosy) में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) औषध प्रकृति विज्ञान का लगभग 2 वर्ष का अध्यापन व्यावसायिक अनुभव।

10. एक अधीक्षण इंजीनियर (यांत्रिक), सीमोत्तर सड़क विकास बोर्ड, जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय। वेतन :—  
रु० 1300-60-1600-100-1800। आयु-सीमा :—  
40 वर्ष। सरकारी कर्मचारियों को छूट नहीं दी जायगी।  
योग्यताएं : अनिवार्य :— (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक /आटोमोबाइक इंजीनियरी में छिपी अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) क्लास I तथा क्लास II के पदों अथवा समकक्ष पदों पर यांत्रिक इंजीनियरी के रूप में लगभग 12 वर्ष का अनुभव जिसमें से 5 वर्ष कार्यकारी इंजीनियरी के रूप में या समकक्ष दायिन्पूर्ण बाले पदों पर हो।

### शुद्धि-पत्र

एक प्रबलंगक (जीव रसायन विज्ञान और पोषाहार), अखिल भारतीय स्वास्थ्य रक्षा तथा लोक स्वास्थ्य संस्थान, कलकाता, स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)। सन्दर्भ :— 6-10-1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 40 की मद संख्या 10। सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि उक्त पद की मर्ती अब रद्द कर दी गई है। जिन उम्मीदवारों ने आयोग के उपयक्त विज्ञापन के आधार पर आवेदन किया था उनके द्वारा घुग्तान किया गया शुल्क यथावधि वापस कर दिया जायगा।

### सहायक ग्रेड परीक्षा, 1974

भारत सरकार के अधीन कुछ सेवाओं/सहायकों के पदों की रिक्तियों पर नियुक्ति हेतु सघ लोक सेवा आयोग द्वारा 6 जन,

1974 से एक प्रतियोगिता परीक्षा दी जाएगी। आयु-सीमाएं :— उम्मीदवारों का जन्म 2 जनवरी, 1949 से पूर्व का नहीं होना चाहिए तथा 1 जनवरी 1954 के बाद का नहीं होना चाहिए। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों तथा कुछ अन्य वर्गों के उम्मीदवारों को ऊपरों आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। योग्यताएं किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा इस प्रयोजन के लिए मान्य कुछ अन्य योग्यताएं। आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंद्धपूर्ण विवरण सचिव, सध लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, से रु० 1.00 के मनीआर्डर द्वारा अथवा आयोग के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को मनीआर्डर कूपन दर “सहायक ग्रेड परीक्षा, 1974” स्पष्ट रूप से लिखना चाहिए हथा अपना माम और पत्र-स्वाक्षर का पूरा पता भी बड़े अक्षरों में साफ़ लिखना चाहिए : मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नो० स्वीकार नहीं किये जायेंगे। भरे हुए आवेदन-पत्र संभलोक सेवा आयोग के पास 15 जनवरी, 1974 (विदेशों तथा अडमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लकड़ीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 28 जनवरी 1974) तक अवध्य पहुंच जाने चाहिए।

अशोक चन्द्र बंद्योपाध्याय,  
सचिव  
सघ लोक सेवा आयोग

### SUPREME COURT OF INDIA (Admn. Br. I.)

New Delhi, the 5th November 1973

No. F.6/73-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri Amreek Singh, officiating Librarian, to officiate as Chief Librarian with effect from the forenoon of 1-11-1973 to 30-11-1973 (both days inclusive) vice Shri V. K. Chitre, Chief Librarian granted leave.

No. F.6/73-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri K. K. Sehgal, Officiating Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India, to officiate as Principal Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India with effect from the forenoon of the 27-10-1973 to 9-11-1973 (both days inclusive) vice Shri S. Ganesan granted leave.

The Hon'ble the Chief Justice of India has also been pleased to appoint Shri R. C. Ganhi, Officiating Stenographer in this Registry, to officiate as Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India, with effect from the forenoon of the 27-10-1972 to 9-11-1973 (both days inclusive) vice Shri K. K. Sehgal, promoted as Principal Private Secretary.

S. K. KUPTA,  
Registrar (Admn.)

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 8th October 1973

No. A 32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Satkartaria, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 47 days from 18-8-73 to 3-10-73 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

The 15th October 1973

No. A 32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Miss. S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service or a period of 90 days with effect from 3-9-73 to 1-12-73 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

The 27th October 1973

No. A 32013/1/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of

the Service for a period of 3 months with effect from 5-9-73 to 4-12-73 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT  
Under Secretary,  
(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 23rd October 1973

No. A 12022/5/73-Admn.I.—The Union Public Service Commission have been pleased to appoint Shri A. C. Bandopadhyay, I.A.S., as Secretary of the Commission with effect from the forenoon of 18th October, 1973 until further orders.

The 31st October 1973

No. A 32013/1/73-Admn.I.—Shri K. V. Ramakrishnan an officer of I.A & AS who was appointed to officiate as Controller of Examinations, Union Public Service Commission with effect from 1-7-73 vide this office notification of even no. dated 31-8-1973 has been reverted to the post of Deputy Secretary with effect from the forenoon of 18th October, 1973.

2. Shri K. V. Ramakrishnan assumed charge of the office of Deputy Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 18th October, 1973.

M. R. BHAGWAT  
Under Secy. for Chairman,  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 27th October 1973

No. A 32013/1/73-Admn.I.—Shri N. B. Mathur, a permanent officer of the Selection Grade of the Central Secretariat Stenographers' Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the CSS vide this office Notification No. A 32013/1/73-Admn.I, dated 17-8-1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 7th September, 1973.

2. On his reversion, Shri N. B. Mathur resumed charge of the office of Private Secretary (Selection Grade of CSSS) in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 7th September, 1973.

No. A 32013/1/73-Admn.I.—Shri A. N. Kachru, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service vide this office Notification No. A 32013/1/73-Admn.I, dated 26th July, 1973, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 8th September, 1973.

2. On his reversion Shri Kachru resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 8th September, 1973.

No. A 32015/1/73-Admn.I.—Shri R. L. Thakur, a permanent Grade II Officer of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission who was appointed to officiate on a purely ad-hoc basis in Grade I of the Service vide this office Notification of even No. dated 12-9-1973 has been reverted to Grade II of the same service in the same cadre with effect from the forenoon of 3rd October, 1973.

The 30th October 1973

No. P/1644-Admn I.—On the completion of her tenure as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, Shrimati Annie Prasad, an officer of the I.A.S., has been granted 38 days earned leave with effect from 3rd October 1973 to 9th November 1973 with permission to suffix 10th and 11th November 1973 being Second Saturday and Sunday respectively to her leave. On the expiry of her leave, Shrimati Prasad will revert back to the State Government of Gujarat.

The 31st October 1973

No. P/1226-Admn II.—Consequent upon his acceptance of the offer of appointment to the post of Assistant Director

(Lie Detector) in the Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation, Ministry of Home Affairs, New Delhi, Dr. A. K. Ganguly, a permanent Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office relinquished the charge of his post with effect from the afternoon of the 31st October, 1973 to take up the said post.

No. A 12022/3/73-Admn I.—Consequent on assumption of charge by Shri A. C. Bandopadhyay, I.A.S. as Secretary, Union Public Service Commission, Shri D. R. Kohli a permanent officer of the Selection Grade of C.S.S. and officiating Controller of Examinations, who was appointed to officiate as Secretary to the Commission vide this office Notification of even number dated 25-7-1973, has been reverted to the post of Controller of Examinations w.e.f. the forenoon of 18th October, 1973.

2. Shri Kohli assumed charge of the office of Controller of Examinations w.e.f. forenoon of 18th October, 1973.

No. A 32013/1/73-Admn.I.—Shri B. K. Lal, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Selection Grade of the Service, vide this office Notification No. A 32013/1/73-Admn.I, dated 27th June, 1973, relinquished charge of the office of Deputy Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 17th September, 1973.

2. On his reversion, Shri B. K. Lal resumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 17th September, 1973.

M. R. BHAGWAT  
Under Secretary,  
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT  
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND  
ADMINISTRATIVE REFORMS  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110001, the 16th October 1973

No. PF/K-86/67-AD.V.—Director Central, Bureau of Investigation and Inspector General of Police Special Police Establishment hereby appoints Shri Kasturi Lal Chadha, P.P. Ambala Branch of C.B.I. as Senior Public Prosecutor in the C.B.I. with effect from forenoon of 19th September, 1973, in a temporary capacity, until further orders.

No. PF. S-124/66-AD.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri Sat Prakash, P.P., C.I.A. (I), New Delhi of C.B.I. as Senior Public Prosecutor in the C.B.I. with effect from the forenoon of 23rd September, 1973 in a temporary capacity, until further orders.

G. L. AGARWAL  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

New Delhi, the 23rd October 1973

No. PF/K-119/73-AD.—Deputy Inspector General of Police, Special Police, Establishment, hereby appoints Shri K. A. Yagnik, Vigilance Inspector, Railway Board on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation Branch Bombay in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 14-8-73 until further orders on transfer from CBI Branch at Dehi.

G. L. AGARWAL  
Administrative Officer (E),  
for Dy. Inspector Genl of Police  
Special Police Establishment

## FORM ITNS —————

(2) Smt. Anjali Mitra, 23, Sir Gurudas Road, Calcutta-54.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1973

Ref. No. Ac-67/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I. M. N. Tiwary being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 57 situated at Sardar Sankar Road P.S. Tollygunge, Calcutta-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

District Sub-Registrar, 24-Parganas, Alipur on 14-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Amiya Kumar Biswas 28/3/3, Nakuleswar Bhattacharya Lane, Calcutta-26. 2. Smt. Sumitra Ghosh of Ghoshnara P.O. Garifa Dist. 24-Parganas, 3. Smt. Santa Mitra, 67, Nimtala Ghat Street, Calcutta-7. 4. Smt. Jharna Bose, 4/104 Ramashnagar New Delhi. 5. Smt. Kula Biswas, Naihati, Dist. 24-Parganas. (Transferor).

10—326GI/73

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

4 cottahs 4 chittacks 2 sq. ft. land at premises No. 57 Sardar Sankar Road (plot No. 74 of C.I.T Scheme No. 33) P.S. Tollygunge, Calcutta-29.

M. N. TIWARY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-II, P-13, Chowinghee Square,  
Calcutta-1.

Date : 8-11-73,

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Geeta Chatterjee, 8/2, Fern Road, Calcutta-19.  
(Transferor)

(2) Smt. Manikarani Das, 5/1A, Deshpriya Park East, Calcutta-29. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1973

Ref. No. Ac-66/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/52, situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at District Registrar, 24-Parganas, Alipur on 26-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land Area 5 cottahs 2 chittacks 41 sq. ft. in premises No. 1/52, Gariahat Road, P. S. Tollygunge, Dist. 24-Parganas.

M. N. TIWARY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee Square,  
Calcutta-1.

Date : 7-11-73.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II FLOOR -  
RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 6th November 1973

No. RAC No. 99/73-74.—Whereas I, S. BALASUBRAMANIAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19/369 & 370 situated at Chinnabazar, Nellore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore Dist. on 5-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons name :—

1. Sri Padmanabhuni Sree Ramulu, S/o Venkatratnam Chinnabazar Nellore Dist. (Transferor)
2. Sri Atmakur Narayana, S/o Subbaiam Chinna Bazar, Nellore Dist. (Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property House No. 19/369 & 370 (only one building with two different door numbers) Chinna Bazar, Nellore Dist.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 6th November 1973

Ref. No. RAC. No. 94/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 2-3-93, situated at Ramgopalpet, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad, on 13-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Minoo Hirji Khursheed S/o Framsoze Khursheed, his G.P.A. Mrs. Soona N. Chenoy W/o N. S. Chenoy, H. No. 143/1 Macirtyre Road, Secunderabad.

(Transferor)

2. Smt. Ashadevi, W/o Bhagwandas House No. 2-3-93, Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Plot of land No. 137, Admeasuring 1205, Sq. yds. Municipal No. 137/B at Penderghast Road, Secunderabad.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,  
namely:—

1. Sri Sri Burra Raja Kullayiswami, 2. B. Raja China Kullayiswami, 3. B. Vizia Raja Ku llayiswami, all minors by guardian and natural father Sri B. Kullayiswami son of Hussainappa, Yadiki, Anantapur Dist. (Transferor)
2. Smt. Valukuru Lakshmamma. W/o Neelakantayya, and her sons, 2. Ramanjaneyulu, 3. Ramakrishnudu, 3. Suryanarayana, minors by guardian mother Rayalcheruru, Tadpatri, Tq. Anantapur, Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property : S. No. 176-ABC 177-ABCDEFG 12.06 Acre, 193, 185, 187-B, 115, at Rayalcheru Tadpatri, Tq. Anantapur, Dist

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS—

1. Shri Molugu Rajiah, 2. Molugu Jagadeswariah, and  
3. Molugu Narsimha Rao, H. No. 7-1-772, old  
Jail Street, Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

2. Shri Sri Addimoolam Balakrishna 62, Ramgopalpet,  
Secunderabad.

(Transferee)

3. 1. M/s Tulsidas Narothan & Co. 2. Gunda  
Rajeshwar Rao, & Sons, 3. Molugu Gowrishankar  
Nareshkumar, all at 2-2-181, 182/1 Ist  
Pan Bazar, Saunders Road, Secunderabad.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 6th November 1973

No. RAC. No. 97/73-74.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-2-181, 182/1 situated at Pan Bazar, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad 14-5-73, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDEULE**

Property : Portion of premises bearing No. 1834 (old No. 1802 & 1856) present No. 2-2-181, 2-2-182 & 2-2-182/1, Ist Pan Bazar, Saunders Road, Secunderabad.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

2. Shri Sri Karnam Pardhasaradhi, Pille, Saraswati Street, Gudivada, Krishna Dist.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 6th November 1973

No. RAC. No. 97/73-74.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. No. TS. 414/1 Dor, No. 85 situated at Gandhinagar, Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi, on 7th May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

I. Shri Sri Vadla Kodandachari, S. S. B-II, Tirumala Thirupat Ghittoor Dist.

(Transferor)

"(3) Owners only (Person in occupation of the property).  
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property: T. S. No. 414/Door No. 85 Ward 18, Gandhinagar, Tirupathi, Chittoor Dist.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM II(1)S

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 6th November 1973

No. RAC.No.100/73-74.—Whereas, I S. BALASUBRAMANIAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19/369 & 370 situated at Chinna Bazar, Nellore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nellore Dist. on 3-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Sri Padmanabhuni, Venkata Rathnam S/o Nayayana, Setty. 2. Smt. Padmavathamma, W/o Venkata Rathnam, Chinna Bazar, Nellore Dist. (Transferor).
2. Shri Sri Atmakur Narayana, S/o Subbaiah, Chinna Bazar, Nellore Town & Dist. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property : House No 19/369 & 370 only building having two different Nos. at Chinna Bazar, Nellore Dist.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE*The 6th November 1973*

No. J. No. I(215)/73-74.—Whereas, I, K. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-5-3 situated at Sailoswarasen Road, Maharanipeta, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam in July 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Y. Indranarayana, 31-Appar Samikoil Street, Mylapore, Madras-4. (Transferor)  
11-326GI/73

- (2) Ganesh Srinivasa, M/s Euhler Engineers, Padma Nivasa Buildings, Opposite to King George Hospital, Visakhapatnam-2. (Transferee)
- (3) Shri D. Apparao, Assistant District Manager (PS), Indian Oil Corporation, 15-5-3, Saoleswara Sen Road, Opposite to Century Club, Maharanipeta, Visakhapatnam-2. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House bearing Door No. 15-5-3 Sailoswarasen Road, Maharanipeta, Visakhapatnam-2—Ward No. 16—Block No. 4—T.S. No. 125—Asst. No. 1766.

On one side of the building Recreation Club.

On the back side Muppidi house.

**K. SUBBARAO**  
**Competent Authority,**  
**Inspecting Assistant Commissioner of**  
**Income-Tax**  
**Acquisition Range**

Date : 6-11-1973  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE

Bangalore, the 9th November 1973

No. C.R. 62/1705/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 125, 126, 127, 128 and 129 situated at Avenue Road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore on 24-5-1973 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri B. Subbarama Setty, 2. B. S. Shantharam, 3. B. S. Ashok, 4. B. S. Sanjay (minor), No. 5. Vani Vilasa Road, Basavanagudi, Bangalore-4. (Transferor)

(2) 1. S/Shri M. R. Sampangirama Setty, 2. M. Adinarayana, and 3. K. A. Satyanarayana Setty, partners of Vinayaka Enterprises, No. 121-122, Avenue Road, Bangalore. (Transferee)

(3) 1. Shri L. Shyama Sundar, 2. Shri G. Ramachand, 3. Shri Sri Chand, 4. Shri Govardhanadas Roopchand, & 5. M/s. Krishna & Co. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property bearing Nos. 125, 126, 127, 128 and 129, Avenue Road, Bangalore.

**B. MADHAVAN**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Maqbool Ahmad. (Transferor)

(2) Shri Mansoor Ahmad. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1973

No. 34-M/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No..... Vill. Bari, Nainital situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani on 15-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 280C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An agricultural land measuring 65 Bighas 10 Biswas situated at Vill. Bari, Nainital.

S. C. BAHL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,  
namely :—

- (1) Shri Maqbool Ahmad. (Transferor)
- (2) Shri Margoob Ahmad Mansoor Ahmad. (Transferee)
- (3) Shri Vilayat (person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1973

No. 33-M/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 138 Vill. Bari Nainital situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Haldwani on 16-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 66.5 Bighas situated in Vill. Bari Nainital.

S. C. BAHL

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 6-11-1973

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Mewa Singh Mangal Singh. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1973

No. 35-M/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC Acq. Range Lucknow being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/B Vill. Khanakpuri situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Haldwani on 21-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagat Singh, Smt. Sarvajit Kaur. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 48 Bighas, 9 Biswas and a house 12×20 situated in the Village Khanankpuri Nainital.

S. C. BAHL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1973

Ref. No. 17-A/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83/1, 83/3, situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 24-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Hari Shanker (Transferor).

(2) Shri Abhinav Pd. Gupta (Transferee).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An agricultural land measuring 79 Bighas and 13 Biswas situated in Nainital District.

S. C. BAHL,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shrimati Radhika Devi (Transferee).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
 LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1973

Ref. No. 37-R/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 117 situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Haldwani on 22-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hari Shanker (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An Agricultural land measuring 69 Bighas situated in Nainital District.

S. C. BAHL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chandan Singh. (Transferor)

(2) Shri Ram Swaroop &amp; Others (Transferee).

## NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd November 1973

Ref. No. 38-R/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC (Acq.) Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 & 111 situated at Sobhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Badaun on 29-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The agricultural land measuring 18 Bigha 4 Biswa situated at Sobhanpur-Badaun.

S. C. BAHL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 2-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

(1) Balbinder Singh (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balkar Singh. (Transferee).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1973

Ref. No. 28-B/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 257, 258, 261, 270 & 273 situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haldwani on 8-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

12-326GI/73 -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An Agricultural Land measuring 42.15 Bighas situated in District Nainital.

S. C. BAHL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Lucknow.

Date : 6-11-1973

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 6th November 1973

Ref. No. 31-M/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC. Acq. Range, Lucknow being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 258 vill. Bigvara situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Halwani on 18-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Balbinder Singh (Transferor).

(2) Shri Mahinder Singh (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

An Agricultural land measuring 40 Bighas situated at vill. Bigvara, Nainital.

S. C. BAHL,

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th November 1973

Ref. No. 32-M/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 326/3 Vill. Haldi situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haldwani on 25th May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 24 Bighas situated at Vill. Haldi, Nainital.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

S. C. BAHL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

(1) Shri Tara Singh and others (Transferor).

(2) Shri Milkiyat Singh. (Transferee).

Date : 7-11-1973

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 7th November 1973

Ref. No. 15-K/Acq.—Whereas, J. S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 326/3 Vill. Haldi situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 25-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Tara Singh, (Transferor).

(2) Shri Kulwant Singh (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An agricultural land measuring 40 Bighas 16 Biswas situated at Vill. Haldi, Nainital

S. C. BAHL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Lucknow.

Date : 7-11-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th November 1973

Ref. No. 15-P/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 258 situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haldwani on 18-5-1973

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balbinder Singh. (Transferor)
- (2) Shrimati Paramjit Kaur (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural and measuring 22 Bighas situated in Nainital District.

S. C. BAHL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Tara Singh. (Transferor).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th November 1973

Ref. No. 16-G/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acquisition Range Lucknow being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 326/3 Vill. Haldi situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani on 25-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri Gurbachan Singh. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An agricultural land measuring 40 Bighas 16 Biswas situated at Vill. Haldi, Nainital.

S. C. BAHL,

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date : 7-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

(2) Smt. Shanti Devi Tulsian W/o Shri Gauri Shanker R/o 1968, Katra Khushal Rai Kinari Bazar, Chandni Chowk, Delhi. (Transferee).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I CENTRAL REVENUES  
BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI,

New Delhi, the 13th November 1973

Ref. No. IAC/ACQ.I/SRI/July-I/299(35)/73-74/5376.—  
Whereas I, D. B. Lal,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1907 to 1911 situated at Katra Shahanshahi Chandni Chowk, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering at Delhi on 11-7-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (i) Shri Krishan Lal s/o Shri Manohar Prashad, (ii) Shri Ram Lall s/o Shri Manohar Prashad, (iv) Smt. Gita Devi W/o Shri Sham Lal, all residents of 16/260, 759, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor).

(3) Shri (i) Shubh Karan & Gauri Shanker, (ii) Smt. Mankali W/o Shri Asha Ram Malhotra, (iii) Shri Om Parkash (iv) M/s. Jiva Ram Gauri Shanker, (v) Smt. Chinta Mani & (vi) Shri Hari Kumar Podar all occupants of 1907 to 1911, Katra, Shahanshahi, Chandni Chowk, Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION**.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Three storeyed property bearing Municipal No. 1907 to 1911 situated at Katra Shahanshahi, Chandni Chowk, Delhi constructed on a plot of land measuring approximately 74 sq. yds. and bounded as under :—

North : Property No. 1903 to 1906

South : Property No. 1912 to 1917

East : Corporation property

West : Road

D. B. LAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date : 13th November, 1973

Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 13th November 1973

Ref. No. IAC/ACQ.I/SRI/May-II/219(95)/73-74/5376.—

Whereas I, D. B. Lal,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 55-B situated at Rama Road Najafgarh Road, New Delhi, (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajendra Kumar Gupta S/o Shri Banwari Lal Gupta R/o No. 6 Under Hill Road, Delhi. (Transferor).
- (2) Shri Subhash Chander (ii) Ramesh Chander & (iii) Vinod Kumar sons of late Shri Ram Chand Kathuria R/o A-47, Kirti Nagar, New Delhi. (Transferee).
- (3) M/s. Atlas Shoe Co. A-47, Kirti Nagar, Delhi (ii) M/s. Kathuria & Sons, (iii) Shri Vidya Sagar s/o Shri Chandi Ram R/o 59/21 New Rohtak Road, New Delhi & (iv) Shri Prakash Chand Kathuria s/o Mohan Lal R/o A-10-A, Green Park, New Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Piece of plot measuring about 5735.20 sq. yds. bearing part of plot No. 55 now known as plot No. 55-B with boundary walls, superstructure and tube wells facing North East and situated at Rama Road, Najafgarh Road, New Delhi and bounded as under:—

North East : Land of India Wire & General Mills Pvt. Ltd. (55-B).

South West : Plot No. 56.

South East : Loading platform

North West : Ram Road

**D. B. LAL**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date: 13th November, 1973

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 6th November 1973

Ref. No. RAC. No. 98/73-74.—Whereas I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 215, 214 etc., situated at Cherlapalli, Modi Hindpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hindupur, on 3-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

13—326 GI/73

- (1) 1. Smt. Hanumakka, 2. Ari Anjinareddy. 3. Krishnareddy, 4. Venkatareddy, 5. Sivareddy, all at one place Cherlapalli, Village, Modi, P. O. Hindupur Tq. Anantapur, Dist. (Transferor).
- (2) Sir J. Thimareddy, Cherlapalli, Modi, P.O. Hindupur, Tq. Anantapur, Dist. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

	A.	G.
Property : Survey No.	215-4 B	1.42
—do—	214-6	0.98
—do—	215-1	2.74
—do—	215-4 A	2.09
—do—	215-4 C	0.05
—do—	215-2	4.08

Lands situated in Cherlapalli, village, Modi, P.O., Hindupur, Tq. Anantapur, Dist.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date : 6-11-1973

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th November 1973

Ref. No. RAC. No 101/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/115/12, situated at Venkatramapuram, Nellore Dist. (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 11-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri Tapiti Seshareddy, s/o Raghavareddy, Venkatramapuram Nellore Dist. (Transferor).
- (2) Sri Dovuru Venkatasubbareddy, s/o Murthy reddy, Ward, No. 15 Door No. 115/12 Venkatramapuram, Nellore Dist. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property: Ward No. 15 Door No. 115/12, Venkatramapuram, Nellore Dist. House property.—

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date: 12-11-1973

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th November 1973

Ref. No. RAC. No. 103/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-175/4 & 5 situated at Hyderabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Mir Jafar Ali Khan, s/o Mir Medhi Ali Khan, H. No. 10-1-123/B Masab Tank, Hyderabad. (Transferor).
- (2) Sri Kishore Narandas Lakhani, R/o 4-5-601/2 Sultan Bazar, Hyderabad. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : H. No. 3-6-175/4 and 5 Hyderabad, area 256 Sq. Yds. Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date : 12-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Mir Jaffar Ali Khan, s/o Medi Ali Khan, H. No. 10-1-133/B, Masab Tank, Hyderabad. (Transferor).

(2) Sri Narandas Lakhnai, R/o H. No. 3-6-175/2 & 3 Hyderguda, Himayatnagar, Hyderabad. (Transferee).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad the 12th November 1973

Ref. No. RAC. No. 102/73-74.—Whereas I, S. Balasubramaniam, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-175/2 & 3 situated at Hyderguda, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 18-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property: H. No. 3-6-175/2 and 3 Hyderguda, Himayatnagar, Hyderabad 230 Sq Yds.

S. BALASUBRAMANIAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date: 12-11-1973

Seal :

## FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD.  
POONA-411004

Poona, the 12th November 1973

Ref. No. C.A.S/May' 1973/Ahmednagar/81/73-74.—  
Whereas I, G. Krishnan,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/1 situated at Chahurana Village in Ahmednagar District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmednagar on 14-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Homa Jehangirji Damania, Akbar Cotton Press, Station Road, Ahmednagar. (Transferor).
- (2) Shri Navajivan Sahakari Graha Nirman Sanstha Ltd., Chairman, Shri Ramaswarup Brijlal Maval House No. 6143, Sarje Pura, Ahmednagar. (Transferee).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Chahurana Village, Survey No. 15/1 Area 2 Acres.

G. KRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,

Poona

Date: 12-11-1973

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Manbindu Shakari Giharachana Sanstha, Chairman, Shri B P. Kirkole, 263, Budhwar peth, Poona-2. (Transferor).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramchandra No. Chordia, Pashan, Poona 8. (Transferee).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona, the 12th November 1973

Ref. No. C.A.5/May73/Haveli-II/82/73-74.—Whereas, I, G. Krishnan, being the Competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 109, H. No. 1 H. 1-I, 1-G situated at Kothrud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II on 29-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot at Kothrud bearing Survey No. 109,	
Hissa No. 1—H—Area	0—32 gunthas
Hissa No. 1—I—Area	0—25 gunthas
Hissa No. 1—G—Area	0—1 gunthas
Total Area	0—58 gunthas

G. KRISHNAN

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 12-11-1973

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, AAYAKAR BHAVAN, M KARVE MARG,  
BOMBAY-20

Bombay, the 8th November 1973

Ref. No. AR.H/563/1017/73-74.—Whereas I, Shri G. S. Rao, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 4&6, Sector III, situated at Chembur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Bombay on 18-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shamji Khimji Chheda and Shri Ramji Khimji Chheda. (Transferor).
- (2) Aarohi Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Greater Bombay, in the Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra, being Plot Nos. 4 and 6 in Sector No. III and measuring about 993.32 sq. mts. (1188 sq. yds) or thereabouts being a portion of the land bearing New Survey No. 320 and bounded as follows :—i.e. to say—

On or towards the north by proposed 44' wide Municipal Road, on or towards the south by plots bearing Nos. 2 and 5 in Sector No. III, on or towards the east by plots bearing Nos. 5 and 8 in Sector No. III and on or towards west partly by plot No. 1 in Sector No. III, and partly by proposed 44' Municipal Road

G. S. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 8-11-1973

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

The 8th November 1973

Ref. No. AR.II/538/921/73-74. Whereas I, G. S. Rao, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under section 269B

of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 89, Sector No. I situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-5-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Shamji Khimji Chheda & Ravji Khimji Chheda. (Transferor).

(2) Anantkumar Ramchandra Karmarkar. (Transferee).\*

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Greater Bombay, in the Bombay Suburban District, in Registration Sub-District of Bandra, being Plot No. 89 in Sector No. I admeasuring 705 square yards, i.e. 589.47 square metres being a portion of the land bearing Survey No. 320.

G. S. RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Bombay

Date : 8-11-1973

Seal :

\*(Strike off where not applicable)

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE-III, AYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20

The 7th November 1973

Ref. No. AR/III/181/73-74.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay, being the competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New N.A. No. 226B & C.T.S. Nos. 1430 situated at Sardar Vallabhai Patel Road, Mauje Eksar Borivali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, at Bombay on 24-5-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (1) Padmakant Vithaldas Dalal, (2) Kalavati Padmakant Dalal (3) Vinay Padmakant Dalal (4) Minal Vinay Padmakant Dalal (5) Vipul Vinay Vithaldas, (6) Rajendra Padmakant Vithaldas, (7) Kusum Rajendra Padmakant (8) Seema Rajendra Padmakant. (Transferor)

14- 326GT/73

- (2) (1) Kanji Bhagwan Patel, (2) Meghji Kanji Patel
- (3) Gopal Kanji Patel, (4) Jeetendra Manilal Patel
- (5) Sureshchandra Dhirajlal Rawal. (Transferee).
- (3) Tenants (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground at Mandapeshwar Road now known as Sardar Vallabhbhai Road Mauje Eksar, Borivali, in the Registration Sub District and District Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement about 6913 sq. yds equivalent to 5780 sq. metres bearing New N.A. No. 226B and CTS Nos. 1430, etc bearing Municipal Ward No. R. No. 5096 (1) (2) (3) and (4) Street Nos. 449, 450, 452, and 451 Sardar Vallabhbhai Patel Road, and bounded on the East by Mandapeshwar Road now known as Sardar Vallabhbhai Patel Road, on or towards the West by property bearing S. No. 188; on or towards the North by the property bearing S. No. 270; and on or towards the South partly by the property bearing S. No. 269 and partly by property bearing S. No. 266.

R. G. NERURKAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 7th November 1973

Seal :

"(Strike off where not applicable)

## FORM ITNS—

(2) Shri Karam Chand.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1973

Ref. No. 18-K/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 155 situated at Vil. Girdharnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haldwani on 31-5-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Moti Ram.

(Transferor)

Seal :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 49 Bighas 8 Biswas situated at Vil. Girdharnagar, Nainital Distt.

S. C. BAHL

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 12-11-1973.

(1) Shri Moti Ram.

(Transferor)

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1973

Ref. No. 17-J/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. 12 situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani on 24-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Singh &amp; others.

(Transferor)

Date : 12-11-1973.

(2) Shri Jatnail Singh.

(Transferee)

Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 44 Bighas 1 Biswa situated at Nainital district.

S. C. BAHL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.

## FORM ITNS—

(2) Shri Kehar Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1973

Ref. No. 14-K/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 204 Vill. Hanimatpur situated at Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 30-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Uttam Devi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An agricultural land measuring 36 Bighas 18 Biswas situated at Vill. Himmamatpur Nainital Distt

S. C. BAHL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 12-11-1973.

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1973

Ref. No. 4-V/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 269 situated at Dabhora Ahtmali (and more fully described in the Schedule annexed hereunto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 25-5-73  
15-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Hansraj Singh etc.  
(Transferor)

(2) Shri Vichittra Singh.  
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring ten Acre 71 decimal situated at Vil. Dabhora Ahtmali, Distt. Nainital.

S. C. BAHL

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 12-11-1973.

(Seal) : ..

## FORM ITNS —————

(1) Shri Baran &amp; others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kalawati Devi &amp; others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1973

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 19-K/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Udpur Ghatampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shahganj on 1-5-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An agricultural land measuring 4 acre 37 $\frac{1}{2}$  decimal situated at Udpur Ghatampur, Distt. Nainital.

S. C. BAHL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 12-11-1973.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. Alma Begum.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1973

Ref. No. 14-K/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Madya Ratna Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kashipur on 19-5-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Imamuddin,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An agricultural land measuring 80 Bighas situated at Vill. Madya Ratna Nainital, District.

S. C. BAHL  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 12-11-1973.

Seal :

## FORM ITNS—

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th November 1973

Ref. No. 17-K/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 Khata No. situated at Bithoria Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani on 22-5-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(1) Shri Harish Chand Singh Bist.

(Transferor)

(2) Shri Keema Nand Sharma & others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 38 Bighas 18 Biswas situated at Vill. Bithoria Nainital, District.

S. C. BAHL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 12-11-1973.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-JII, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 7th November 1973

Ref. No. AR/III/166/73-74.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III Bombay, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 128, Hissa No. 3 (part) situated at Kandivli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) M/s. J. L. Morison, Son & Jones (India) Ltd.  
(Transferor)
- (2) M/s. Smith & Nephew (India) Ltd.  
(Transferee)

15—326GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:** The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Four equal undivided Nineteenth parts belonging to the transferor out of land admeasuring 12,709.176 Square Metres situate off Swami Vivekanand Road, in Village Kandivli, Taluka Borivali (in Greater Bombay) bearing Survey No. 128—Hissa No. 3 (Part) and registered in the City Survey Register under City Survey Nos. 26 and 26/1.

R. G. NERURKAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay.

Date : 7th November 1973.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I,  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 8th November 1973

Ref. No. AR-I/524-7/Sept. 73.—Whereas, I. R. G. Nerurkar, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range I Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 3345, 3347, 14/03345 C.S. No. 2 (Part) 3 and 1/3rd of Worli Division situated at Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 10-9-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vasantrao Dattajir Dhanwatey & Ors.  
(Transferor)
- (2) M/s. Trustees of H. H. Sydena Taher Saifuddin Memorial Foundation.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL that piece or parcel of leasehold land or ground of Pension and Tax Tenure (cess whereof has been redeemed) situate lying and being at Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay without the Fort of Bombay in the city and Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 2,000 square yards equivalent to 1972.26 square metres or thereabouts together with the buildings and structures standing thereon and known as "B" Building Sandoz House" being Plot No. B forming part of Cadastral Survey Nos. (part) of Worli Division and which said property forms part of the larger piece of land and premises known as "Shiv-Sagar Estate" at Worli and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under No. 4069 and New Survey No. 3345, 3347, 1A/03345 and Cadastral Survey No. 2 (part) 3 and 1/3 of Worli Division and which is assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes of the Municipal Corporation of Greater Bombay under G Ward No. 12 and street No. 12A, Lala Lajpatrai Marg, being Dr. Annie Besant Road, Worli and bounded as follows: that is to say on or towards the North by Plot No. 6 of the said Shiv Sagar Estates, on or towards the South by Plot No. A of the said Shiv Sagar Estates on or towards the East by the said Dr. Annie Besant Road and on or towards the West by the Garden of the said Shiv Sagar Estates and the said premises being Sandoz House on Plot No. B of Shiv Sagar Estates Limited which is delineated on the plan thereof hereto annexed and are thereon surrounded by a red colour boundary line

R. G. NERURKAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Date : 8th November 1973.

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. B. M. Mautri & Co. Private Ltd.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta-1, the 9th November 1973

Ref No. Ac-21/R-IV/Cal/73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, situated at May fair Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North, Calcutta on 30-5-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. B. N. Elias & Co. Private Ltd.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Two-storied brick built building together with revenue-redeemed land measuring one bigha more or less situate at 15, Mayfair Road, Calcutta.

M. N. TIWARY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 9-11-1973.

Seal :

## FORM JTNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta-1, the 5th November 1973

Ref. No. Ac-20/R-IV/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. Dag No. 3011/3172 of Khatian No. 1222 situated at Mouza Khardah, R. S. 18, J.L. No. 2, Touzi No. 1505 of 24 Parganas within Titagarh Municipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registrar of Assurances, Calcutta on 7-5-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferors to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ramgopal Southalia. 2. Shri Mahabir Prasad Sonthalia, partners of Southalia & Co., 71, Seth Jamunalak Bajaj Street, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Ambe Wire Industries, (Partner : Shri Nilkantha Nevatia), 13, Brabourne Road, Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

25 cottahs of land together with the building, godowns, closets, sheds, structures and erections in C.S. Dag No. 3011/3172 of Khatian No. 1222 in Mouza Khardah, R.S. No. 18, J.L. No. 2, Touzi No. 1505 of 24 Parganas within Titagarh Municipality, S.R. Barrackpore, Thana Khardah, Dist. 24-Parganas.

M. N. TIWARY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 5-11-73.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3  
CHANDERPUR, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/Phl/AP-373/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 480 of May, 1973 situated at V. Adikali Teh. Phillaur (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pinto, Dipo, Dukhtaran Bir Singh s/o Shri Dal Singh R/o Adikali Teh. Phillaur.  
(Transferee)
- (2) S. Inder Singh, Kundan Singh, Joginder Singh S/o S. Karnail Singh R/o Daulat Kalan Teh. Phillaur.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

I and as mentioned in the Registered Deed No. 480 of the Registering Authority, Phillaur for the month of May, 1973.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-11-73.

Seal :

## FORM ITNS

(4) Any person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR  
ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/Phg/AP-390/73-74.—Whereas J. R. S. SAWHNEY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 378 of May, 1973 situated at village Bhanoki, Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May, 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ram Singh S/o Sh. Charan Singh, Vill. Bhanoki, Tehsil, Phagwara. (Transferor).
- (2) Sh. Resham Singh S/o Sh. Ram Singh S/o Sh. Kishan Singh, village Bhanoki, Teh. Phagwara. (Transferee).
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the registered deed No. 378 of May, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION

RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/Phg/AP-389/73-74.—Whereas I. R. S. SAWHNEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the registered deed No. 356 of May, 1973 situated at Vill. Bhanoki Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sh. Ram Singh S/o Sh Charan Singh Resident of Vill. Bhanoki, Teh. Phagwara. (Transferor).

(2) Sh. Avtar Singh S/o Sh. Ram Singh Vill. Bhanoki, Teh. Phagwara. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any person interested in the land. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 356 of May, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973,

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/Phl/AP-388/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 721 of May, 1973 situated at Vill. Shamshabad, Teh. Phillaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in May, 1973. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Sh. Munshi Ram S/o Sh. Tulsi Ram, V. Shamshabad, Teh. Phillaur. (Transferor).
- (2) Sh. Pakhar Singh S/o Sh. Dharam Singh, Vill. Moron, Teh. Phillaur. (Transferee).

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereto shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 721 of May, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

R. S. SAWHNEY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDRPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/Phl/AP-387/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 578 of May, 1973 situated at Kandola Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in May 1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Tarlok Singh s/o Shri Rura Singh r/o V. Kandla Kalan, Teh. Phillaur. (Transferor).

- (2) Shri Tahil Singh s/o Shri Mansha Singh R/o Millon Kandla Kalan, Teh. Phillaur. (Transferee).
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 578 of May, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/N-Shahai/AP-386/73-74.—Whereas, I, R. S. SAWHNEY, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 261 of May, 1973, situated at V. Rahon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawanshahar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Avtar Singh, Narinder Singh s/o Ram Lubhaya, J. V. Rahon, Teh. Nawanshahar. (Transferor).
- (2) Sh. Jagat Singh s/o Hira Singh r/o Ludhiana. (Transferee).
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands as' mentioned in the Registered Deed No. 261 of May, 1973 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973

Seal :

## FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is, hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed no. 411 of May, 1973 of the Registering Authority, Nawanshahar.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Rattan Singh s/o Lakha Singh, V. Muthanda Tch. Nawanshahar. (Transferor).
- (2) S/Shri Ranjit Singh, Daulat Singh, Surjit Singh sons of Puran Singh, Smt. Jasbir Kaur w/o Mohinder Singh of V. Shankar, Tch. Nakodar c/o Ranjit Singh. (Transferee).

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/N-Shahar/AP-384/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 412 of May, 1973, situated at V. Mathandu, Teh. Nawanshahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Hazara Singh s/o Sumanda, V. Mathanda, Teh. Nawanshahar. (Transferor).
- (2) S/Shri Ranjit Singh, Daulat Singh, Surjit Singh s/o Puran Singh and Smt. Jasbir Kaur w/o Mohinder Singh, V. Shankar, Teh. Nakodar, c/o Ranjit Singh. (Transferee).
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 412 of May, 1973 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/Phl/AP-383/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY, being the Competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 481 of May, 1973, situated at V. Adikali, Tch. Phillaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in May 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S. Bhagat Singh s/o S. Bir Singh R/o Adikali, Teh. Phillaur. (Transferor).
- (2) S. Inder Singh, Kundan Singh, Joginder Singh s/o S. Karnail Singh, Dantu Kalan, Teh. Phillaur. (Transferee.)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 481 of May, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

FORM ITNS—  
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/Phl/AP-382/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 455 of May, 1973, situated at V. Panjtahta, Teh. Phillaur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Phillaur in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Paitapi d/o Shri Banta Ram R/o Harra, Teh. Phillaur. (Transferor).
- (2) Shri Sohan Lal s/o Shri Milkhi Ram R/o Phillaur. (Transferee).
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 455 of May, 1973 of the Registering Authority, Phillaur.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/Phillaur/AP-371/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property as mentioned in the registered deed no. 707 of May, 1973, situated at V. Dosanjh Khurd, Teh. Phillaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Joginder Kaur wd/o Sh. Sohan Singh s/o Natha Singh, r/o V. Dosanjh Khurd, Teh. Phillaur, Distt. Jullundur. (Transferor).

- (2) Sh. Joginder Singh s/o Ranjit Singh s/o Mehar Singh r/o Dosanjh Khurd, Teh. Phillaur.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property as mentioned in the registered deed no 707 of May, 1973, of the Registering Authority, Phillaur.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/N-Shahar /AP-380/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed no. 512 of May, 1973, situated at V. Hansron, Teh. Nawanshahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Tarsem Singh s/o Shri Kartar Singh, V. Hansron, Teh. Nawanshahar, (Transferor).
- (2) Shri Sadhu Singh s/o Shri Bholi Singh, V. Palahi, Teh. Phagwara, (Transferee).

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the registered deed no. 512 of May, 1973 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973,

Seal ;

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/N-Shahar/AP-379/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 427 of May, 1973, situated at V. Jathiala, Teh. Nawanshahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Nasna s/o Nath, V. Amargarh, Teh. Nawanshahar. (Transferor).

- (2) S/Shri Sucha, Kuldeep, Joga s/o Chanan, Mohinder Singh Joginder sons of Gurmail, V. Amar Garh Teh. Nawanshahar. (Transferee).
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 427 of May, 1973 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973,

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION****RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Anritsar, the 14th November 1973

Ref. No. ASR/N-Shahar/AP-378/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 413 of May, 1973, situated at V. Mutheda, Teh. Nawanshahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bhago wd/o Gurdev Kumar, Gurdip Kumar, Bhajan Kumar son of Kartar Singh r/o Mutta Sodian, Teh. Nawanshahar. (Transferor).

- (2) S/Shri Ranjit Singh, Daulat Singh, Surjit Singh s/o Puran Singh, Smt. Jasbir Kaur w/o Mohinder Singh V. Shaikar c/o Ranjit Singh. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 413 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI,  
TAYIOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar the 14th November 1974

Ref. No. ASR/N-Shahar/AP-377/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the registered deed no. 414 of May, 1973, situated at V. Musapur, Teh. Nawanshahar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Nawanshahar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Bal Lata d/o Sh. Ram Lubhaya, Vill. Musapur Teh. Nawanshahar.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Sohan Singh s/o Waryam Singh, Surjit Kaur w/o Sohan Singh, Nasib Kaur w/o Malook Singh, Charanjit Singh s/o Malook Singh, Vill. Musapur Teh. Nawanshahar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**The SCHEDULE**

Land as mentioned in the registered deed No. 414 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. S. SAWHNEY  
Competent Authority,  
Inspecting Asst Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI,  
TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 14th November 1974

Ref. No. ASR/N-Shahar/AP-376/73-74.—Whereas I, R. S. SAWHNEY, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed no. 415 of May, 1973, situated at V. Musapur, Teh. Nawanshahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferee(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dev Datt s/o Mool Raj, V. Musapur, Teh. Nawanshahar.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Sohan Singh s/o Waryam Singh & Smt. Surjit Kaur w/o Sohan Singh, Nasib Kaur w/o Malook Singh, Charanjit Singh s/o Malook Singh, V. Musapur c/o Sohan Singh, Teh. Nawanshahar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the registered deed no. 415 of the Registering Authority, Nawanshahar.

R. S. SAWHNEY

**Competent Authority,****Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range**

Amritsar

Date : 14-11-1973.

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1974

No. F. 12/5/73-E.I(B)

New Delhi, the 17th November 1973

A competitive examination for recruitment to vacancies in the services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SRINAGAR, SHILLONG and TRIVANDRUM commencing on 6th June, 1974 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 17th November, 1973.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The Services/posts to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in the various services/posts is given below:—

- (i) Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the Indian Foreign Service (B)—\*
- (ii) Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service—12 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 1 vacancy reserved for Scheduled Tribes candidates).
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service—200 (Includes 30 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 15 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service—34 (Includes 6 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 2 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service—\*

\*Vacancies not intimated by Government.

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before 30th November, 1974.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public

Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address, and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.

**NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1974. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1974, WILL NOT BE ENTERTAINED**

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 15th January 1974 (28th January 1974 in the case of candidates residing abroad and in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Aminidivi Islands from a date prior to 15th January, 1974) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

**APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.**

7. If any candidate who took the Assistants' Grade I examination held in 1973 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1973 examination, his candidature for the 1974 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para 3 of Annexure I.

**8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.**

M. S. PRUTHI

Dy. Secy.

Union Public Service Commission.

**ANNEXURE I**

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

if, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 1 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection..

#### ANNEXURE II

##### Instructions to Candidates

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 4 of the Notice. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form, the attestation form and the acknowledgement card must be completed in the candidates own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form, the attestation form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands, from a date prior to 15th January, 1974.

A candidate already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as a work-charged employee other than a casual or daily-rated employee must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Copy of Certificate of Age.
- (iii) Copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Three identical copies of recent passport size (5 cm. X 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).

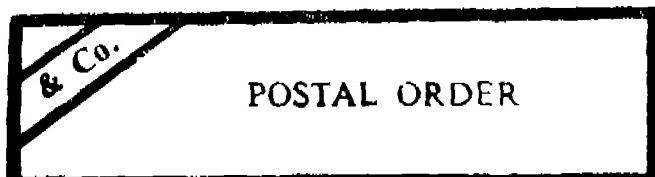
(vi) Copy of certificate in support or claim for age concession/fee remission, where applicable (see para 5 below). ..

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY ON THE RESULTS OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER 1974. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION ON DEMAND AT THAT TIME.

Details of the documents mentioned in items (i) to (vi) are given below :—

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature or the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

Note.—Candidates residing abroad at the time of submitting their application, may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "XXI—Miscellaneous Departments Examinations fees—Receipts of the Union Public Service Commission". The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition

to the copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, a copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

Note 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit a copy of only the page containing entries relating to age.

**NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.**

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit a copy of a certificate, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If a copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence, and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

(iv) *Three copies of Photograph.*—A candidate must submit three identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one each of which should be pasted on the first page of the application form and the first page of the attestation form respectively and the third copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

**N.B.**—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office (except as provided for in Note under paragraph 3 (iii) above) within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim a copy of the certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri\*/Shrimati/Kumari \_\_\_\_\_ son\*/daughter of \_\_\_\_\_ of \_\_\_\_\_ village\*/town in District\*/Division \_\_\_\_\_ of the State\*/Union Territory of \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste\*/Tribe which is recognised as a Scheduled Caste\*/Scheduled Tribe under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966.\*

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*.

2. Shri\*/Shrimati/Kumari \_\_\_\_\_ and/or\* his/her\* family ordinarily reside(s) in village\*/town \_\_\_\_\_ of \_\_\_\_\_ District\*/Division of the State\*/Union Territory of \_\_\_\_\_

Signature \_\_\_\_\_

\*Designation \_\_\_\_\_

(with seal of office)

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

State\*/Union Territory \_\_\_\_\_

\*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Laccadive and Minicoy Islands).

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 5. (b) (ii) or 5 (b) (iii) should produce a copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce a copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) claiming age concession under Rule 5 (b) (v) or 5 (b) (vi) should produce a copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce a copy of a certificate from District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b) (vii) or 5(b) (ix), should produce a copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce a copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under Rule 5(b)(iv) should produce a copy of a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(b)(vii) should produce a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b) (x) or 5(b) (xi) should produce a copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence

Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof

The form of certificate to be produced by the Candidate.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country / in a disturbed area" and was released as a result of such disability.

Signature .....

Designation .....

Date .....

"Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5(b) (xii) should produce a copy of a certificate, from one of the following authorities in support of his claim :—

(1) Director of Civil Administration.

(2) Administrators of the Concelhos.

(3) Mamlatdars.

(viii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b)(xiii) or 5(b) (xiv) should produce a copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature .....

Designation .....

Date .....

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish or furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14, Janpath Barracks 'A', New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents of the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

*N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.*

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 11 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION ADVERTISEMENT NO. 46

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1973 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 X 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and bona fide displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled

Castes and Scheduled Tribes), 17th December, 1973 (31st December, 1973 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

Post at S. No. 1 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. No. 3 temporary but likely to be made permanent. Posts at S. Nos. 2, 4, 5, 7, 8, 9 and 10 temporary but likely to continue indefinitely. Post at S. No. 6 temporary but likely to continue on long term basis.

One post at S. No. 9 reserved for Scheduled Castes candidates. Post at S. No. 1 reserved for Scheduled Tribes candidates but to be treated as unreserved if no suitable Scheduled Tribes/Scheduled Castes candidate is available. Two posts each at S. Nos. 2 and 3 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved. Post at S. No. 7 and one post at S. No. 3 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates and failing both to be treated as unreserved.

1. *One Associate Planner (Planning Engineer), Ministry of Works and Housing.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Civil or Municipal Engineering from a recognised Institute or equivalent qualification. (ii) About 5 years experience in a large Municipality in a responsible capacity in the Planning and execution of Water Supply, drainage and sewage disposal schemes.

2. *Four Deputy Architects, Ministry of Works & Housing.* Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Architecture of a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in the profession.

3. *Three Scientific and Technical Officers, Grade I (Telecommunication Research Centre), Posts and Telegraphs Board, Ministry of Communications.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age Limit.—35 years. Not relaxable for Government servants. Qualifications.—Essential.—Degree in Electrical/Telecommunication/Electronics Engineering from a recognised University or an equivalent diploma. OR Master's or equivalent Honours Degree in Physics or Chemistry, or Mathematics of a recognised University. OR M.Sc. (Electronics) and Diploma of Madras Institute of Technology and Indian Institute of Technology.

4. *One Water Management Specialist, Delhi Administration, Delhi.* Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Agricultural Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in soil and water management.

5. *One Assistant Inspector of Training, Delhi Administration, Delhi.* Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree in Engineering or Technology of a recognised University or equivalent. (ii) About one year's professional or teaching experience in a reputed concern or in a Training Institute. OR (i) Diploma in Engineering or Technology of a recognised University/Institution or equivalent. (ii) About 5 years' professional or teaching experience in a reputed concern or in a Training Institute.

6. *One Senior Technical Assistant (Aeronautics), Directorate General of Civil Aviation.* Pay.—Rs. 325—15—475—EB—20—575. Age Limit.—30 years. Qualifications.—Essential.—Degree in Aeronautical Engineering from a recognised University or equivalent.

7. *One Assistant Development Officer (Chemicals), Directorate General of Technical Development, Ministry of Industrial Development.* Pay : Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit : 30 years. Qualifications : Essential : (i) M.Sc. Degree in Chemistry OR Degree in Chemical Engineering/Technology of a recognised University Institute or equivalent. (ii) Adequate experience in production research in a factory in any field or technical industry.

**8. One Gaushala Development Officer, Delhi Administration, Delhi.** Pay : Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Degree or equivalent Diploma in Veterinary Science or Animal Husbandry from a recognised University/Institute (ii) Post-Grauate training in any branch of Animal Husbandry at any recognised Institution. (iii) About 3 years' experience of practical working in connection with live stock.

**9. Five Lecturers in Pharmacy, College of Pharmacy, Delhi Administration, Delhi.** Pay : Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit : 40 years. Qualifications : Essential : Category I (one post) : (i) Second Class Master's Degree in Pharmaceutics of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' teaching/professional experience in Pharmaceutics. Category II (two posts) : (i) Second Class Master's Degree in Pharmaceutical Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' teaching/professional experience in Pharmaceutical Chemistry. Category III (one post) : (i) Second Class Master's Degree in Pharmacology of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' teaching/professional experience in Pharmacology. Category IV (one post) : (i) Second Class Master's Degree in Pharmacognosy of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' teaching/professional experience in Pharmacognosy.

**10. One Superintending Engineer (Mechanical), Border Roads Development Board, Ministry of Shipping and Transport.** Pay : Rs. 1300—60—1600—100—1800. Age Limit : 40 years. Not relaxable for Government servants. Qualifications : Essential : (i) Degree in Mechanical/Automobile Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) About 12 years experience as Mechanical Engineer in Class I and Class II posts or in equivalent posts out of which 5 years should be as Executive Engineer or in posts carrying equivalent responsibilities.

#### CORRIGENDUM

**One Demonstrator (Biochemistry and Nutrition), All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, Directorate General of Health Services, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health).** Reference item 10 of Commission's Advertisement No. 40 published on 6-10-1973. It is notified for general information that the recruitment to the post has since been cancelled. The fee paid by the candidates who have applied in response to Commission's above advertisement will be refunded in due course.

#### Assistants' Grade Examination, 1974

The Union Public Service Commission will hold a competitive examination commencing on 6th June, 1974 for appointment to vacancies in certain Services/posts of Assistants under the Government of India. **Age Limits** :—Candidates must have been born not earlier than 2nd January, 1949, and not later than 1st January, 1954. Upper age limit relaxable in favour of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and certain other categories. **Qualifications** :—Degree from a recognised University or certain other qualifications recognised for the purpose. Full particulars and application from obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by remitting Re. 1.00 by money order or on cash payment at counter. Candidates must clearly state on money order coupons, "Assistants' Grade Examination, 1974" and also give their names and full postal addresses in block letters. Postal orders or cheques or currency notes not acceptable in lieu of money orders. Completed applications must reach Union Public Service Commission by 15th January, 1974 (28 January, 1974 for candidates residing abroad and in Andaman & Nicobar Islands, and Lakshadweep).

A. C. BANDYOPADHYAY, Secy.  
Union Public Service Commission.